www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

MUMBAI TARANG TM

यदि जिंदगी में कभी बुरा वक़्त ना आये तो
गैरों में छुपे अपनों और
अपनों में छुपे गैरों का पता नही चलता

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-13 ❖ मुंबई ❖ रविवार 21 से 27 मार्च 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
शासन-प्रशासन के दखल के बाद भी नहीं रुके अवैध निर्माण

पेज 5
लॉकडाउन उल्लंघन के केस वापस ले सकती है नीतीश सरकार, विधि विभाग से ली जा रही है राय

पेज 7
डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे की हिंदी फिल्म " श्री खाटू श्याम सरकार जी " का म्यूज़िकल मुहूर्त

पेज 8
सभी श्रोता जिस के फ्लावर्स कोई फोलोअर नहीं सत्य-प्रेम- करुणा के ऊद्गाता संत मोरारी बापू

मुंबई में लगेगा लॉकडाउन ?
मालिक और मजदूर सभी को डर

मुंबई, कोरोना लॉकडाउन में दस महीनों तक ठप रहने के बाद जैसे-तैसे वसई इंडस्ट्रियल क्षेत्र में हलचल होनी शुरू हुई थी और लोग रोजगार पर वापस लौटे थे। मुंबई में एक बार फिर से लॉकडाउन की आशंका ने लोगों के मन में डर पैदा कर दिया है। कोरोना की दूसरी लहर से वसई की स्टील कंपनियों के मालिकों से लेकर मजदूर तक सहमे हुए हैं। लॉकडाउन की संभावना के चलते व्यापारी बड़े ऑर्डर लेने से बच रहे हैं, वहीं कर्मचारियों को नौकरी जाने की चिंता सता रही है। जानकारी के अनुसार, कोरोना की दूसरी लहर से एक बार फिर

वसई इंडस्ट्रियल क्षेत्र में काम करने वाले हजारों कामगार डर के साए में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही लॉकडाउन लगने की अफवाह से कामगार असमंजस में हैं। पिछले दस महीने गांव में रहने के बाद एक बार फिर से उनकी आर्थिक स्थिति पटरी पर लौट रही थी, लेकिन मार्च में बढ़ते कोरोना संक्रमण ने उनके सामने फिर चुनौती खड़ी कर दी है। सता रहा लॉकडाउन का डर

मजदूरों को डर सताने लगा है कि कहीं फिर लॉकडाउन न जाए और वे भुखमरी की कगार पर न पहुंच जाएं। वसई पूर्व के गोलानी स्थित एक स्टील कारखाने में काम करने वाले मोहम्मद अशरफ ने कहा कि उन्हें कोरोना से नहीं, लॉकडाउन से डर लगता है।

पिछले साल तीन महीने तक कंपनियों के गोदामों में कैद रहे और खाने के लिए एक टाइम खिचड़ी मिलती थी। याद आए मुसीबत भरे दिन किसी तरह एक ट्रक में तीन हजार रुपये देने के बाद जानवरों की तरह गांव पहुंचे। 7 महीने के बाद यहां लौटे और काम-काज ठीक ठाक चलने ही लगा था कि कोरोना के मामले बढ़ने लगे। बढ़ते कोरोना ने हम कामगारों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। अशरफ ने कहा पिछले साल की तारीख नजदीक आ रही है। बहुत डर सताने लगा है कि कहीं फिर से लॉकडाउन न लग जाए। नहीं ले रहे ऑर्डर इसी तरह स्टील कंपनी के मालिक मुकेश अग्रवाल ने बताया कि 2020 में स्टील व्यापारियों को करोड़ों रुपये का नुकसान झेलना पड़ा। फिर से कोरोना बेकाबू हो रहा है। इसीलिए काफी डर लगने लगा है। अग्रवाल ने कहा कि बड़े ऑर्डर लेने में सोचना पड़ रहा है कि ऑर्डर लेने के बाद कहीं लॉकडाउन न लग जाए। वर्करों में फैली दहशत कोरोना ने फिर व्यापारियों से लेकर वर्करों तक दहशत फैला दी है। इसी तरह सुनील कुमार प्रजापति ने बताया कि मोबाइल पर लॉकडाउन को लेकर तरह-तरह के मैसेज आते हैं। साथ ही जिस तरह महाराष्ट्र के कुछ जिलों में लॉकडाउन लगाया गया है, उससे यह आशंका और बढ़ गई है।

दुर्गम क्षेत्र में टीकाकरण के लिए उपलब्ध हो आवश्यक सुविधा-मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल नंदुरबार जिले का दौरा किया और संबंधितों को जिले के दुर्गम इलाकों में रहनेवाले लोगों के टीकाकरण के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के लिए सभी सुविधाएं बेहतर तरीके से मिलें, इस पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने धड़गाव में जिला समीक्षा बैठक की और टीकाकरण का जायजा लिया। इस बीच वे धड़गाव ग्रामीण अस्पताल भी पहुंचे और कोरोना टीकाकरण की जानकारी हासिल की। उन्होंने नागरिकों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना पर प्रतिबंध लगाने के लिए जनता मास्क पहने और शारीरिक अंतर रखते हुए नियमों का पालन करे। टीकाकरण के बाद भी मास्क का उपयोग व सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए नागरिकों में जागरूकता पैâलाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण बढ़ने की संभावना है इसलिए प्रतिबंधक उपाय योजनाओं पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। इस समय हमारे पास टीकाकरण की ढाल है।

एक्सपर्ट बोले- अंबानी के घर के बाहर धमाका भी होता तो बड़ा खतरा नहीं था

मुंबई, मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास एक स्कॉर्पियो से मिले जिलेटिन की छड़ों की फरेंसिक टेस्ट रिपोर्ट आ गई है। सांताक्रुज के कालीना स्थित फॉरेंसिक लैब में जांच के लिए भेजी गई जिलेटिन की इन सभी 20 छड़ों की केमिकल विश्लेषण रिपोर्ट में कहा गया है कि ये सभी छड़ें लो इंटेंसिटी वाली थीं। इसका मतलब कि अगर ये छड़ें फट भी जातीं तो कोई बड़ा धमाका या बड़ी हानि नहीं होती। यानी इन जिलेटिन की छड़ों से कोई बड़ा खतरा नहीं होता।

इस तरह के जिलेटिन की छड़ें ग्रामीण क्षेत्रों में कुंआ खोदने, सड़क निर्माण करने, पहाड़ तोड़ने या सुरंग बनाने में इस्तेमाल की जाती हैं। हालांकि, सूत्र बताते हैं कि जिलेटिन को धमाका करने के

लिए डेटोनेटर की आवश्यकता होती है, जो स्कॉर्पियो से पुलिस को नहीं मिले थे। विसरा और गाड़ियों की जांच जारी कालीना लैब से जुड़े सूत्रों के अनुसार, निलंबित पुलिस अफसर सचिन वझे की सभी लग्जरी कारों की फरेंसिक जांच जारी है। गाड़ी के अंदरूनी हिस्से में खून के धब्बे, बाल, नाखून, फिंगरप्रिंट्स जैसे सबूतों की छानबीन की जा रही है। चूंकि, गाड़ियों की अच्छे से धुलाई कर दी गई है। इसलिए कार के अंदर से सबूतों को ढूंढना केमिकल एक्सपर्ट्स के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य है। रेती बंदर पहुंचने तक मनसुख जिंदा था! इसके अलावा मनसुख हिरेन का विसरा टेस्ट भी अभी लैब टेक्निशनों एवं एक्सपर्ट के द्वारा किया जा रहा है। विसरा टेस्ट में पता लगाया जा रहा है कि मनसुख को किसी तरह का कोई जहरीला पदार्थ या कोई इंजेक्शन या खाद्य सामग्री में जहर तो नहीं दिया गया था। इसके अलावा उसके पेट से मिले खाद्य अवशेषों के डायटम की दोबारा जांच की जा रही है। सूत्रों बताते हैं कि रेती बंदर पहुंचने तक मनसुख जिंदा था। हालांकि, डायटम की पहली रिपोर्ट में मनसुख के फेफड़ों में पानी होने की बात कही गई थी।

ऑनलाइन बाजार ने तोड़ी खुदरा व्यापारियों की कमर

दैनिक वस्तुओं की ऑनलाइन खरीद-बिक्री (ई-कॉमर्स साइट) तथा रिटेल शॉपिंग मॉल की तरफ ग्राहकों के बढ़ते झुकाव के कारण खाद्यन्न का खुदरा व थोक व्यापार मंदा होता जा रहा है। व्यापारियों के अनुसार मौजूदा समय में पहले की अपेक्षा उनका व्यापार ३५ से ४० फीसदी घट गया है। मीरा-भायंदर होलसेल ग्रेन-शुगर मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष सोहन भाई वैष्णव बताते हैं कि ई-कॉमर्स साइट पहले खुदरा व्यापार करती थीं लेकिन अब कुछ साइट होलसेल व्यापार भी शुरू कर दी हैं, जो चावल २९ रुपए, दाल ९९ रुपए तथा चीनी ३४ रुपए प्रति किलो खरीदनी पड़ती है, वहीं चावल-दाल, चीनी ई-कॉमर्स साइट २ से ३ रुपए सस्ता में बेच रही है। चीनी के होलसेल व्यापारी अरविंद भानुशाली कहते हैं कि हम पारंपरिक चेन पद्धति से व्यापार करते हैं।

जबकि ई-कॉमर्स साइट या रिटेल शॉपिंग मॉल्स किसान या उत्पादक के पास से माल खरीदकर सीधे ग्राहक को बेचते हैं।

रेल यात्रियों को रास आ रही एसी तरकीब.... सीजन टिकटों की बिक्री में हुआ इजाफा

मुंबई, कोरोना के मामले पिछले कुछ सप्ताह से बढ़ रहे हैं। इसके पीछे की वजह मार्वेâट में भीड़ और ट्रेनों में सामाजिक दूरी का पालन न होना बताया जा रहा है। हालांकि राज्य सरकार ने दफ्तरों में कर्मचारियों की संख्या ५० प्रतिशत सीमित रखने का आदेश दिया है, फिर भी भीड़ उतनी कम नहीं हुई, जितनी होनी चाहिए। वातानुकूलित ट्रेनें अभी भी खाली चल रही हैं।

ऐसे में संक्रमण से बचाने के लिए यात्री एसी लोकल का रूख करने लगे हैं। मध्य रेलवे पर मार्च महीने में पिछले दो महीनों के मुकाबले ज्यादा सीजन और कार्ड टिकटों की बिक्री हुई है। पश्चिम रेलवे पर भी लगातार एसी लोकल में यात्रा करनेवालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। बिक्री बढ़ी मध्य रेलवे पर १७ दिसंबर से एसी लोकल की शुरुआत हुई है। अब तक १,००० से ज्यादा सीजन टिकटों की बिक्री हो चुकी है। इन एक हजार में से ३०४

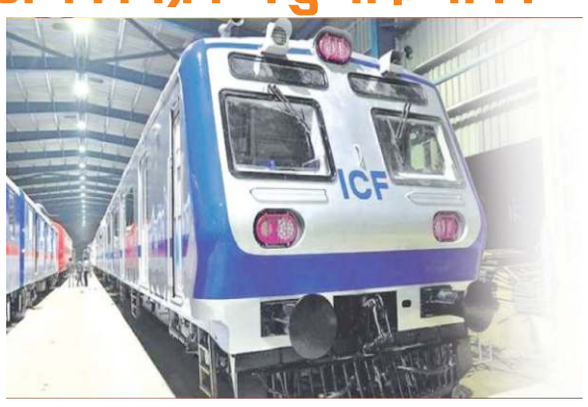

सीजन टिकटों की बिक्री १ मार्च से १७ मार्च तक हुई है जबकि फरवरी महीने में कुल ३४४ सीजन टिकट बिके थे। हालांकि पश्चिम रेलवे इस मामले में काफी आगे है। पश्चिम रेलवे पर पिछले १७ दिनों में १,४९३ सीजन टिकटों की बिक्री हुई है, जो मध्य रेलवे के अब तक की बिक्री से कहीं ज्यादा है। सीजन टिकट का मतलब है कि यात्री वातानुकूलित एसी लोकल में लंबे समय तक चलने की तैयारी में है। अनलॉक के बाद से लेकर अब तक पश्चिम रेलवे पर १०,७८० सीजन टिकट बिके हैं। १ फरवरी के बाद इसमें इजाफा हुआ है। भीड़ नहीं तो कमाई नहीं जहां मध्य रेलवे को एसी लोकल के लिए बहुत काम यात्री मिल रहे हैं, वहीं पश्चिम रेलवे की भी स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। हालांकि सामान्य स्थितियों के मुकाबले अभी तकरीबन ५० प्रतिशत यात्री मुंबई की लोकल ट्रेनों में यात्रा करने लगे हैं और लगभग ९० प्रतिशत उपनगरीय सेवाएं चलने लगी हैं।

जिलेटिन से ज्यादा विस्फोटक है यह चिट्ठी'... परमबीर लेंगे वीआरएस चर्चाएं गर्म

मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह की चिट्ठी लीक हो जाने के बाद महाराष्ट्र सरकार पर संकट गहराता नजर आ रहा है।

मुंबई, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चल रही महाविकास अघाड़ी सरकार पर संकट का साया लगातार गहराता जा रहा है। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह की मुख्यमंत्री के नाम लिखी गई चिट्ठी में सीधे गृह मंत्री अनिल देशमुख पर पुलिस अधिकारियों के जरिए वसूली किए जाने के आरोप ने इस संकट को और बड़ा कर दिया है। विपक्ष में बैठी बीजेपी ने पूर्व पुलिस आयुक्त के इन आरोपों को जिलेटिन से ज्यादा विस्फोटक करार दिया है। बीजेपी ने अनिल देशमुख के इस्तीफे और उनका नारको टेस्ट कराए जाने की मांग की है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि परमबीर सिंह के ये खुलासे जिलेटिन की छड़ों से भी ज्यादा विस्फोटक हैं। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में शायद ये ऐसा पहला मामला हो, जब किसी बड़े पुलिस अधिकारी ने सीएम को इतने गंभीर आरोप लगाते हुए पत्र लिखा हो। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि परमबीर सिंह ने अपने पत्र में लिखा है कि इस मामले की जानकारी उन्होंने मुख्यमंत्री को पहले दी थी। ऐसे में, सवाल उठता है कि आखिर तब मुख्यमंत्री ने क्यों कार्रवाई नहीं की? संजय राउत का ट्वीट... या कोई इशारा चर्चा है कि यह लेटर कांड के बाद शिवसेना एनसीपी के साथ अपने रिश्तों पर सोचने पर मजबूर हो गई है। दूसरी तरफ बीजेपी ने शिवसेना के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। रविवार सुबह शिवसेना सांसद संजय राउत के शायराना ट्वीट को इसी तरफ इशारे के रूप में देखा जा रहा है। रविवार सुबह किए इस ट्वीट में

संजय राउत ने 'सुप्रभात' कहते हुए मशहूर शायर और गीतकार जावेद अख्तर का एक शेर पोस्ट किया है। इसमें लिखा है, 'हमको तो बस तलाश नए रास्तों की है, हम हैं मुसाफिर ऐसे जो मंजिल से आए हैं।'

अपने इस शेर के जरिए संजय क्या कहना चाहते हैं यह उन्होंने पढ़ने वालों पर छोड़ दिया है। अब ईडी की हो सकती है एंट्री 100 करोड़ रुपये की वसूली मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री कभी हो सकती है। इसकी संभावना व्यक्त की जा रही है। देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियों करने की मांग की है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि इस मामले की जांच में ईडी शामिल हो सकती है।

परमबीर के वीआरएस की चर्चा

परमबीर ने जिस तरह से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर जानकारी दी है। इससे चर्चा निकल पड़ी है कि सरकार से पंगा लेकर काम करना उनके लिए कठिन होगा। इससे इस बात की संभावना व्यक्त की जा रही है कि परमबीर सिंह वीआरएस भी ले सकते हैं। आंदोलन की चेतावनी गृह मंत्री अनिल देशमुख पर वसूली के आरोप और आरोपों पर उनकी सफाई के बाद बीजेपी सांसद मनोज कोटक ने अनिल देशमुख, परमबीर सिंह और सचिन वाझे तीनों का नार्को टेस्ट कराने की मांग की है। बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांतदादा पाटील ने कहा कि महाराष्ट्र की उद्धव सरकार ने अपने कारनामों से यह सिद्ध कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति का पूरी तरह अपराधीकरण हो गया है। उन्होंने आगे कहा, 'सरकार में थोड़ी सी भी शर्म बची हो, तो पूरी सरकार को तुरंत इस्तीफा देकर महाराष्ट्र की साढ़े 11 करोड़ जनता से माफी मांगनी चाहिए। रविवार की सुबह तक अगर मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री पद से अनिल देशमुख को नहीं हटाया गया, तो बीजेपी पूरे राज्य में आंदोलन शुरू कर देगी।'

वायरस की लुकाछिपी

देश में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में आ रही तेजी अब गंभीर रूप लेती जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना के 26,291 नए मामले दर्ज किए गए जो इस साल एक दिन में दर्ज हुई अब तक की सबसे बड़ी संख्या है।

सबसे बुरी स्थिति महाराष्ट्र की है। पिछले 24 घंटे में अकेले महाराष्ट्र में 16,620 नए केस दर्ज हुए जो कुल नए केसों का 63.21 फीसदी है। देश में अभी कुल 2.12 लाख एक्टिव केसों में से 1.27 लाख सिर्फ महाराष्ट्र में हैं। गौर करने की बात यह भी है कि सोमवार को नए केसों की संख्या में दिख रही तेजी कोई अपवाद या अचानक आई एक दिन की तेजी नहीं है। यह लगातार पांचवां दिन है जब नए केसों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। जाहिर है, इस तथ्य से आंखें नहीं चुराई जा सकतीं कि कोरोना के मोर्चे पर हालात एक बार फिर बिगड़ने लगे हैं। अभी दो-तीन दिन पहले ही यह कहा गया था कि यह पैंडेमिक अब

एंडेमिक बन रहा है, यानी कोरोना महामारी अब खात्मे की ओर है। हालांकि तब भी विशेषज्ञों ने इसे अति उत्साह बताते हुए ऐसे दावों से बचने की सलाह दी थी। इन दावों का प्रभाव हो या न हो, पर आम जनता के बड़े हिस्से में यह धारणा बन गई लगती है कि कोरोना अब कोई खास चुनौती नहीं रही। इसका संकेत हमें देश के अलग-अलग हिस्सों में भीड़ के व्यवहार में दिख रहा है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड के साथ हुए टी-20 मैच में दर्शकों की भीड़ हैरान कर रही थी। उस भीड़ में मास्क से ढका एक भी चेहरा खोजना मुश्किल था।

अन्य राज्यों की तो बात ही छोड़िए महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भी दादर के भीड़ भरे बाजार की तस्वीरें विचलित करने वाली हैं। बहरहाल, देश में टीकाकरण अभियान जरूर तेजी पर है। पिछले हफ्ते रोज औसतन 12.6 लाख डोज दिए गए।

तुलनात्मक रूप से देखें तो अमेरिका के बाद यह संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। वहां रोज औसतन 25 लाख डोज दिए जा रहे हैं।

हालांकि इस बीच यूरोपीय देशों में ऐस्ट्राजेनेका-ऑक्सफर्ड वैक्सीन का बढ़ता विरोध भी कई सवाल खड़े कर रहा है। डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, नॉर्वे, लिथुआनिया, एस्तोनिया, आइसलैंड जैसे कई देशों में इस टीके के साइड इफेक्ट्स को लेकर आ रही शिकायतों को ध्यान में रखते हुए इस पर तात्कालिक रूप से रोक लगा दी गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जरूर आश्वस्त किया है कि टीके को लेकर आशंकाएं पालने या इसके इस्तेमाल पर रोक लगाने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत सरकार ने इसके भारतीय संस्करण कोविशील्ड के साइड इफेक्ट्स की और गहरी समीक्षा करने का फैसला किया है।

ऐसे में जब आने वाले कुछ दिन वैक्सीन को लेकर अनिश्चितता बढ़ाने वाले हो सकते हैं, मास्क और दो गज दूरी जैसे आजमाए हुए उपायों पर अमल की जरूरत बहुत ज्यादा बढ़ जाती है।

क्वाड शिखर बैठक

किरीट ए. चावड़ा

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत- इन चारों देशों के सत्ताशीर्ष की शुक्रवार को हुई वर्चुअल बैठक को दुनिया के राजनयिक हलकों में एक गंभीर परिघटना के रूप में दर्ज किया गया है। क्वाड नाम से चर्चित इस गठबंधन को चीन विरोधी

व्यापक गोलबंदी की धुरी माना जा रहा है। एक अनौपचारिक रणनीतिक मंच के रूप में यह 2007 से कायम है लेकिन इसकी शिखर बैठक पहली बार ही आयोजित हुई है और यही क्वाड की वास्तविक प्राण प्रतिष्ठा है।

यह अकारण नहीं है कि चीन ने इस बैठक को लेकर खुलकर अपनी आशंकाएं जाहिर की हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बैठक से ठीक पहले इस विषय में साफ-साफ कहा कि विभिन्न देशों के बीच विचार-विमर्श और सहयोग की प्रक्रिया चलती रहती है लेकिन इसका मकसद आपसी विश्वास और समझदारी बढ़ाने का होना चाहिए, किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाने या उसके हितों को नुकसान पहुंचाने का नहीं। जाहिर है, चीन को यह कहने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि सीमावर्ती क्षेत्रों में उसके आक्रामक रुख से ये सभी देश किसी न किसी स्तर पर आहत या आशंकित महसूस करते रहे हैं।

लेकिन ध्यान देने की बात है कि चीन के बयान की यहां अनदेखी नहीं की गई। क्वाड शिखर बैठक में इस बात का पूरा ध्यान रखा गया कि उसको किसी खास देश के खिलाफ न माना जाए। बातचीत का अजेंडा कोविड वैक्सीन, क्लाइमेट चेंज और नई तकनीकों से संभावित बदलाव जैसे मुद्दों पर ही केंद्रित रखा गया। एशिया-प्रशांत क्षेत्र का जिक्र आया भी तो बहुत खुले ढंग से। साफ है कि क्वाड देशों ने इस शिखर बैठक के जरिए अभी सिर्फ एक संभावना की ओर संकेत किया है।

इन चारों देशों की अपनी अलग प्राथमिकताएं हैं और उनके आपसी सहयोग की एक सीमा है। इसी महीने की 18 तारीख को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन अलास्का में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात करने वाले हैं। इस मीटिंग के प्रोफाइल का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी मौजूद रहेंगे। नए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के शपथ ग्रहण के बाद दोनों देशों के आला सरकारी प्रतिनिधियों की यह पहली सीधी मुलाकात है। पिछले तीन वर्षों से हम चीन और अमेरिका में हर मोर्चे पर टकराव ही देखते आ रहे हैं। दोनों देशों के आपसी रिश्तों के अगले दौर का खाका काफी कुछ इस बैठक से ही स्पष्ट होगा। दूसरी तरफ इसी तारीख, 18 मार्च को मॉस्को में एक बैठक रूस ने रखी है जिसमें अमेरिका, रूस, चीन, ईरान और पाकिस्तान के प्रतिनिधि अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के प्रतिनिधियों के साथ बैठकर इस देश का भविष्य तय करेंगे। पिछले पंद्रह सालों में भारत ने अफगानिस्तान में अरबों रुपये लगाए हैं और कई बेशकीमती शहादतें दी हैं, फिर भी इस बैठक के लिए उसको पूछा नहीं गया। इन दोनों बैठकों का नतीजा जो भी निकले, इनके होने भर से एक बात साफ है कि हमारे राष्ट्रीय हित किसी और देश के साथ नत्थी होकर नहीं सधने वाले हैं।

खेल-खिलाड़ियों पर भारी कोरोना का असर

जिगर डी वाढेर

भारत सहित पूरी दुनिया को कोरोना महामारी की चपेट में आए अब एक साल से भी अधिक समय बीत गया है। महामारी ने एक समय दुनिया भर में खेल गतिविधियों को पूरी तरह ठप कर दिया था। हालांकि प्रभाव कम होने पर खिलाड़ी मैदान में लौटे, लेकिन अब एक बार फिर से खेल और खिलाड़ियों पर इसका असर होने लगा है। कई टूर्नामेंट फिर से रद्द होने लगे हैं तो कई खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से ही हटना पड़ रहा है। ताजा उदाहरण मुक्केबाजी का है। पिछले हफ्ते स्पेन के कैस्टेलियोन में हुए 35वें बोक्साम इंटरनैशनल टूर्नामेंट में भारत के तीन मुक्केबाजों को फाइनल में पहुंचने के बाद कोरोना के चलते सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाई कर चुके आशीष कुमार के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण उनके साथ एक कमरे में रह रहे मोहम्मद हुसामुद्दीन और सुमित सांगवान को भी फाइनल से बाहर होना पड़ा। ऐसा माना जा रहा था कि इन तीनों का गोल्ड पक्का है। मामला केवल बॉक्सरों का नहीं, दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल का भी कोरोना के चलते ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाई करना खतरे में पड़ गया है। ऐसा इसलिए कि कई टूर्नामेंट पहले ही रद्द हो चुके हैं और जो बचे हैं उनमें से भी कई रद्द होते लग रहे हैं। जो कुछ टूर्नामेंट हाल के दिनों में स्थगित हुए हुए हैं, उनमें पाकिस्तान सुपर लीग अहम है। लीग में शामिल छह खिलाड़ी और एक सपोर्ट स्टाफ के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद आखिरकार लीग को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ गया। स्थगित होने वाले टूर्नामेंटों में यूएस ओपन और कनाडा ओपन बैडमिंटन सहित ऑल अराउंड जिम्नास्टिक वर्ल्ड कप और गोल्फ के कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट भी शामिल हैं। जहां तक भारत की बात है तो तमिलनाडु में कोविड-19 मामलों में लगातार इजाफे के बाद इस महीने नागरकोइल में होने वाली पुरुष और महिला सीनियर नैशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस चैंपियनशिप का आयोजन 14 से 17 मार्च के बीच होना था। हालांकि यह टूर्नामेंट इसी जगह होगा, लेकिन नई तारीखों का ऐलान अगले महीने यानी कि अप्रैल में किया जाएगा। भारत फीफा वर्ल्ड कप

क्वॉलिफायर्स के बाकी बचे तीनों मैच कतर में खेलेगा। मूल कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को कतर और अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी सरजमीं पर, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ उसके देश में मैच खेलना था। लेकिन वैश्विक महामारी के कारण कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। ऐसे में भारतीय टीम को होम एडवांटेज से वंचित रहना पड़ेगा। फुटबॉल के दीवाने देश ब्राजील में तो कोरोना का यह हाल हो गया है कि साओ पाउलो राज्य ने पेशेवर खेलों पर ही 30 मार्च तक रोक लगा दी है। इस फैसले का असर स्थानीय फुटबॉल चैंपियनशिप पर भी पड़ेगा, जो दो सप्ताह पहले ही शुरू हुई थी। इसी तरह भारत और अर्जेंटीना तथा महिला वर्ग में अर्जेंटीना और जर्मनी के मुकाबले छोड़कर अप्रैल में होने वाले हॉकी प्रो लीग के सभी मुकाबलों को कोरोना के कारण स्थगित कर दिया गया है। बहरहाल, सारी निगाहें फिलहाल तोक्यो ओलिंपिक्स पर टिकी हुई हैं। पिछले साल स्थगित हो चुके ओलिंपिक्स की शुरुआत इस साल 23 जुलाई से होनी है। इसका भविष्य 25 मार्च से शुरू हो रहे टॉर्च रिले की सफलता पर निर्भर करेगा। आयोजकों के मुताबिक टॉर्च रिले का सफलतापूर्वक आयोजन ओलिंपिक्स के सफल आयोजन की भी दिशा और दशा तय करेगा। हालांकि कोरोना ने ओलिंपिक्स आयोजकों के लिए विदेशी प्रशंसकों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को लेकर उनकी चुनौतियां बढ़ा दी हैं। जापान में कई मीडिया रिपोर्ट में अज्ञात अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि तोक्यो ओलिंपिक्स में विदेशी दर्शकों को प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। हालांकि आयोजकों के इस फैसले का विरोध होना भी शुरू हो गया है। ऐसा इसलिए कि लोगों ने खेलों के टिकट के साथ ही हवाई टिकट और होटल भी बुक करा लिए हैं। वैसे इस मसले पर फैसला अगले कुछ दिनों में आ जाएगा, लेकिन इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि कोरोना का असर खेल और खिलाड़ियों पर अभी भी जारी है।

बैंक कर्मियों का भरोसा ही खोलेगा सुधार की राह

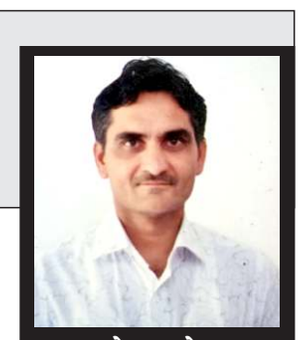

भूपेन्द्र पटेल

इस समय जब सरकार बैंकिंग सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रही है, तो बैंक कर्मियों के बीच प्रस्तावित सुधारों का विरोध भी बढ़ता नजर आ रहा है। बैंकों के निजीकरण के विरोध में 15 और 16 मार्च को राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल रही। ऐसे में यह जरूरी है कि सरकार बैंकिंग सुधारों और बैंक कर्मचारियों के हितों के बीच तालमेल बिठाते हुए आगे बढ़े। हाल ही में फाइनेंस सेक्टर से जुड़े एक वेबिनार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत, प्रतिस्पर्धी और जनहितैषी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने रेखांकित किया कि बैंकों द्वारा गैर-पारदर्शी तरीके से कर्ज दिए जाने की संस्कृति को समाप्त करके एनपीए की एक-एक पाई का लेखा-जोखा सामने लाना सरकार की नीति है। बदलाव का परिदृश्य देश में बैंकों की बदलती भूमिका के तीन परिदृश्य दिखाई दे रहे हैं- एक, निजी क्षेत्र के सभी बैंकों को सरकार से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए अनुमति देना, दो, छोटे और मझोले आकार के सरकारी बैंकों का चरणबद्ध निजीकरण करना और तीन, कुछ सरकारी बैंकों को मिलाकर बड़े मजबूत बैंक के रूप में स्थापित करना। पिछले महीने 24 फरवरी को वित्त मंत्रालय ने निजी क्षेत्र के सभी बैंकों को सरकार से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे कर संग्रह, पेंशन भुगतान आदि में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी। अब तक निजी क्षेत्र के केवल कुछ बड़े बैंकों को ही सरकार से संबंधित कामकाज करने की अनुमति थी। स्वाभाविक ही इस फैसले से अर्थव्यवस्था के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में निजी बैंकों की भागीदारी बढ़ जाएगी। राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान पटना में खाली पड़ा बैंक का दफ्तर याद रहे कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को बजट प्रस्तुत करते हुए सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। उनके मुताबिक कुछ सरकारी बैंकों का निजीकरण अपरिहार्य है क्योंकि सरकार के पास पुनर्पूंजीकरण की राजकोषीय गुंजाइश नहीं है। इससे पहले पी जे नायक की अध्यक्षता वाली भारतीय रिजर्व बैंक की समिति भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सरकार के नियंत्रण से बाहर निकालने की सिफारिश कर चुकी है। इसी सिलसिले में सरकार ने छोटे एवं मझोले आकार के चार सरकारी बैंकों को निजीकरण के लिए चिह्नित किया है। ये हैं- बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया। इनमें से दो बैंकों का निजीकरण 1 अप्रैल से शुरू हो रहे वित्त वर्ष 2021-22 में किया जाएगा। कहा गया है कि जिन बैंकों का निजीकरण होने जा रहा है, उनके खाताधारकों को कोई नुकसान नहीं होगा। निजीकरण के बाद भी उन्हें सभी बैंकिंग सेवाएं पहले की तरह मिलती रहेंगी। सच पूछा जाए तो यह महज एक शुरुआत है। यदि इन चार छोटे-मझोले बैंकों के निजीकरण में सरकार को सफलता मिल जाती है तो आगामी वर्षों में कुछ अन्य सरकारी बैंकों को भी निजी हाथों में सौंपने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार निजीकरण के साथ-साथ चार बड़े मजबूत सरकारी बैंकों को आकार देने की रणनीति पर भी आगे बढ़ रही है। वर्ष 1991 में बैंकिंग सुधारों पर एमएल नरसिम्हन की अध्यक्षता में समिति का गठन हुआ था। इस समिति ने बड़े और मजबूत बैंकों की सिफारिश की थी। समिति ने कहा था कि देश में तीन-चार अंतरराष्ट्रीय स्तर के बड़े बैंक होने चाहिए। इस समिति की रिपोर्ट के परिप्रेक्ष्य में छोटे बैंकों को बड़े बैंक में मिलाने का फॉर्म्युला केंद्र सरकार पहले ही अपना चुकी है। सरकारी बैंकों की संख्या जो मार्च 2017 में 27 थी, वह अब घटकर 12 रह गई है। माना जा रहा है कि कल्याणकारी योजनाओं के संचालन में भूमिका होने के कारण देश में सरकारी बैंकों की मजबूती भी जरूरी है। दूसरी ओर बैंकों का निजीकरण भी वक्त की जरूरत है। चूंकि सरकारी बैंकों के निजीकरण की डगर पर सरकार पहली बार आगे बढ़ी है, इसलिए इस बारे में स्पष्ट खाका पेश करना होगा। अपेक्षाकृत छोटे और मध्यम बैंकों के निजीकरण से शुरुआत करके हालात का जायजा लिया जा सकता है।

हालांकि मजबूत सरकारी बैंकों के गठन की तुलना में बैंकों का निजीकरण अधिक कठिन काम है। सबसे पहले सरकार को रिजर्व बैंक के साथ विचार मंथन करके यह निर्धारित करना होगा कि बैंकों के निजीकरण के लिए संभावित खरीदारों की क्या पात्रता तय की जाए। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कार्य समूह की इस अनुशंसा पर भी ध्यान देना होगा कि बड़े कॉर्पोरेट और औद्योगिक घरानों को खरीदार बनने की इजाजत दी जा सकती है।

बैंकों के निजीकरण के लिए सरकार को अगले वित्त वर्ष 2021-22 में शीघ्र शुरुआत करनी होगी क्योंकि पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगेगा। इसके अलावा सरकार को परिचालन के कई मुद्दों पर भी विचार मंथन करना होगा। सरकार को तय करना होगा कि चयनित सरकारी बैंक में वह अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचेगी या कुछ हिस्सेदारी अपने पास रखकर प्रबंधन का कार्य खरीदार को सौंपेगी। सरकार को कर्मचारियों के मसले से निपटने के लिए भी रणनीति बनानी होगी। सरकारी बैंकों में कर्मचारी बड़ी तादाद में हैं इसलिए निजीकरण के बाद खरीदार कर्मचारियों को किस तरह रोजगार में बनाए रखेगा, इसका भी विस्तृत खाका तैयार करना होगा। साथ ही सरकारी बैंकों के सफल निजीकरण के लिए परिचालन के मसलों को भी सरकार को प्रभावी ढंग से निपटाना होगा। पुनर्पूंजीकरण की चुनौती उम्मीद करें कि सरकार बैंकिंग सुधारों की डगर पर आगे बढ़ने के साथ-साथ बैंक कर्मचारियों के हितों पर भी पर्याप्त ध्यान देगी। निजी क्षेत्र के बैंकों को सरकार से जुड़े कार्यों के लिए अनुमति देने से निजी क्षेत्र के बैंक भी सामाजिक क्षेत्र की पहल को आगे बढ़ाने में बराबर के भागीदार होंगे और देश के करोड़ों बैंक उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा।

शासन-प्रशासन के दखल के बाद भी नहीं रुके अवैध निर्माण

विरार, अवैध निर्माण को लेकर वसई-विरार शहर मनपा (वीवीएमसी) बीते कुछ महीनों से राज्य स्तरीय चर्चा का विषय बना हुआ है।

शहर में मालिकाना अधिकार की जमीन के साथ ही आदिवासी और सरकारी जमीन भी भूमाफियाओं से सुरक्षित नहीं है। अलग-अलग जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय और राज्य सरकार के आदेश के बाद भी शहर में अवैध निर्माण का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा ही एक मामला बीते 13 नवंबर, 2020 को विधान परिषद में गूंजा था। विधान परिषद में चर्चा के दौरान डॉ. मनीषा कायन्दे ने नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे से वीवीएमसी के प्रभाग समिति एफ के अंतर्गत नालासोपारा पूर्व के मालजी पाटील महानगर क्षेत्र के मौजे बिलाल पाडा में बिल्डर विजय सिंह और अखिलेश सिंह द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण के संबंध में प्रश्न किया था। डॉ. मनीषा कायन्दे के प्रश्न का बीते 7 जनवरी को जवाब देते हुए मंत्री एकनाथ शिंदे ने आयुक्त गंगाधरन डी. की रिपोर्ट के आधार पर कुल 18,800 वर्गफीट क्षेत्रफल पर अवैध निर्माण होने की बात स्वीकार की थी। जबकि तलाठी कार्यालय ने बिलाल पाडा के सर्वे नंबर 20 की जगह को सीलिंग कायदा के अंतर्गत सरकारी जमीन घोषित की है। अब सवाल ये उठता है कि यदि सरकारी जमीनों पर कब्जा करके अवैध निर्माणों का सिलसिला इसी तरह चलता रहा तो शहर विकास योजना किस काम की है? इस मामले में शिकायतकर्ता और स्थानीय समाजसेवक डॉ. विक्रमजीत पांडेय का आरोप है कि उक्त सरकारी जमीन के लगभग 30 हजार वर्गफीट क्षेत्रफल पर अवैध निर्माण हुआ है।

जबकि आयुक्त ने मनपा प्रशासन की उदासीनता पर पर्दा डालते हुए और विधान परिषद सदस्यों को गुमराह करते हुए मात्र 18,800 वर्गफीट जमीन पर ही अवैध निर्माण स्वीकार किया है। डॉ. पांडेय के अनुसार इस सरकारी जमीन पर वर्तमान में भी अवैध निर्माण कार्य जारी है।

यह सत्ता प्रयोजित वसूली कांड: निरुपम

मुंबई। मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद संजय निरुपम ने एक बार फिर अपनी ही सरकार पर निशाना साधा है। सचिन वाझे मामले में उन्होंने ठाकरे सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यह सत्ता प्रयोजित वसूली कांड है। निरुपम ने शनिवार को ट्विट कर कहा है कि शिवसेना कमिश्नर परमबीर सिंह की जयजयकार कर रही है। गृहमंत्री जो एनसीपी के हैं, कल बोले कि कमिश्नर ने गलती की थी। ये विरोधाभासी बयान सरकार की छवि और खराब करेगी। वाझे कांड की जांच से अब तक समझ में आया है कि यह सत्ता प्रयोजित हफ्ता वसूली कांड है। इसके तार शिवसेना से जुड़े हैं क्या?

आंधी तूफान व ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान

माजलगांव। आंधी-तूफान व ओलावृष्टि से क्षेत्र की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। आंधी-तूफान से किसानों की खड़ फसलें जमीन पर गिर गई। खेतों में ओले गिरने से भारी नुकसान की आशंका व्यक्त की जा रही है। तूफानी बारिश से तहसील के राजेवाडी, लोणगांव, नित्रुड, मोगरा सहित आसपास के खेत में गेहूं की फसल जमीन पर गिर गई है। ज्वार की फसल भी बर्बाद हुई है। हरी सब्जियों न फलों का भी नुकसान होने से किसानों के सामने बिकट स्थिति पैदा हो गई। किसानों ने नुकसान हुई फसलों का पंचनामा कर सरकार की तरफ से मदद देने की मांग की है।

बड़ी लापरवाही पर ही डाक्टर को दोषी माना जाएगा- कोर्ट

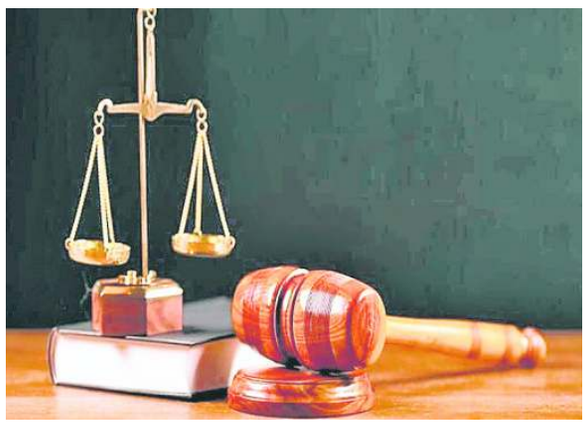

मुंबई। डॉक्टर को दोषी ठहराने के लिए लापरवाही का दर्जा काफी बड़ा होना चाहिए।बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक डॉक्टर व दो स्वास्थ्यकर्मियों के रिहाई के आदेश को कायम रखते हुए यह बात कही है। साल 2001 में एक 14 साल की लड़की की मौत के बाद कोल्हापुर पुलिस ने एक सर्जन डॉक्टर सहित दो एनेस्थेलॉजिस्ट के खिलाफ सदोष मानव वध का मामला दर्ज किया था। लड़की के अभिभावकों ने पुलिस के सामने अपनी शिकायत में दावा किया था कि गले में तकलीफ को लेकर सर्जरी की गई थी लेकिन सर्जरी के एक घंटे के बाद उनकी बेटी की मौत हो गई। इसके लिए लड़की के माता पिता ने इन तीनों आरोपियों को जिम्मेदार ठहराया था। निचली अदालत ने इन तीनों आरोपियों को इस मामले से बरी कर दिया था। निचली अदालत ने अपने फैसले कहा था कि उसे इस मामले में आरोपियों की बड़ी लापरवाही नजर नहीं आ रही है। निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी।

न्यायमूर्ति के श्रीराम के सामने इस अपील पर सुनवाई हुई। मामले से जुड़े सबूतों व तथ्यों को देखने के बाद न्यायमूर्ति ने कहा कि निःसंदेह इस मामले में अभिभावकों ने अपनी बेटी को खोया है। जिसकी उम्र महज 14 साल थी। लेकिन डॉक्टर को दोषी ठहराने के लिए अभियोजन पक्ष को यह दर्शाना होगा कि डॉक्टर की ओर से आला दर्जे की लापरवाही बरती गई है। सिर्फ ठीक से देखभाल न करना अथवा ध्यान न देना सिविल लाइबिलिटी के दायरे में आते हैं। यह आपराधिक दायरे में नहीं आता। न्यायमूर्ति ने कहा कि उन्हें इस मामले में निचली अदालत का निष्कर्ष सही नजर आ रहा है। डॉक्टर को दोषी ठहराने के लिए लापरवाही का दर्जा काफी ऊंचा होना चाहिए। इस तरह से न्यायमूर्ति ने आरोपियों की रिहाई के आदेश को कायम रखा।

कोविड मरीजों का 69 निजी अस्पतालों में किया जा रहा इलाज

नागपुर। शहर में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। पिछले तीन - चार दिनों से जिले में 3000 से अधिक मरीज मिल रहे हैं। इसका असर अस्पतालों पर भी पड़ रहा है। निजी अस्पतालों में बेड नहीं मिलने की बातें सामने आ रही हैं। हालांकि शहर में पर्याप्त बेड बताया जा रहा है। मेडिकल अस्पताल में कोविड मरीजां के लिए 1000 बेड उपलब्ध हैं। वहीं मेयो मं 660 बेड, एम्स में 70 बेड हैं। इसके अतिरिक्त मनपा के अस्पताल, शालिनीताई मेघे अस्पताल में भी बेड उपलब्ध हैं। शहर के 69 निजी अस्पतालों में भी 1500 बेड की सुविधा है। इस तरह 4400 से ज्यादा बेड उपलब्ध हैं। उपलब्ध हैं ऑक्सीजन युक्त बेड जानकारी के अनुसार वर्तमान में 69 निजी अस्पतालों में कोविड मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जिसमें 1,507 ऑक्सीजन वाले बेड उपलब्ध हैं। साथ ही मनपा सहित शासकीय अस्पतालां में 1177 ऑक्सीजन बेड हैं। मनपा द्वारा वीएनआईटी और पांचपावली में ऑक्सीजन युक्त बेड उपलब्ध कराए गए हैं। शहर में मरीजों को 4-5 बड़े अस्पतालों के ही नाम पता हैं, इसलिए इलाज के लिए उन्हीं अस्पतालों में जाते हैं। इस कारण भी बेड नहीं मिलने की शिकायतें आ रही हैं, जबकि अस्पताल में पर्याप्त बेड उपलब्ध हैं।

परमबीर सिंह के 'लेटर बम' से महाराष्ट्र की सियासत गर्म, BJP ने अनिल देशमुख के इस्तीफे और नॉर्को टेस्ट की मांग की

मुंबई, महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर 100 करोड़ की वसूली करवाने का आरोप लगाने वाले मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को कुछ दिन पहले ही पद से हटाया गया था। उनके इस दावे के बाद महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारे में सरगर्मी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अनिल देशमुख के इस्तीफे की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि परमबीर सिंह के ये खुलासे जिलेटिन की छड़ों से भी ज्यादा विस्फोटक हैं। देशमुख को तत्काल पद से हटाकर उद्धव सरकार मामले की निष्पक्ष जांच करे। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में शायद ये ऐसा पहला मामला हो जब किसी बड़े पुलिस अधिकारी ने सीएम को इतने गंभीर आरोप लगाते हुए पत्र लिखा हो। वहीं, गृह मंत्री अनिल देशमुख पर वसूली के आरोप और आरोपों पर उनकी सफाई के बाद बीजेपी सांसद मनोज कोटक का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, 'ये वसूली करने वाली सरकार है। इस चिट्ठी से ये सच सामने आया है। इसलिए अनिल देशमुख, परमबीर सिंह और सचिन वझे तीनों का नार्को टेस्ट होना चाहिए। देशमुख को पद पर रहने का हक नहीं: किरीट सोमैया बीजेपी के वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया ने भी महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि मुंबई में जबरन वसूली चल रही थी और सचिन वझे गृह मंत्री के एजेंट थे। बीयर बार और अन्य जगहों से पैसे वसूले जा रहे थे। अनिल देशमुख को अब पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पद से हटा देना चाहिए। परमबीर सिंह के सनसनीखेज आरोप के बाद उद्धव सरकार पर हमलावर हुई बीजेपी इतना घिनौना काम कभी नहीं हुआ: राम कदम वहीं, बीजेपी के एक अन्य नेता राम कदम ने कहा कि 16 महीने से महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार है। हर महीने 100 करोड़ के हिसाब से 1600 करोड़ रुपये हो गए। कई जिले और कई शहर हैं, वहां से भी कई करोड़ रुपये के लिए कहा गया होगा। पुलिस डिपार्टमेंट एक डिपार्टमेंट है। उसी प्रकार 22 विभाग हैं तो क्या हर मंत्री ने अपने विभागों को वसूली करने के आदेश दिए हैं। सरकार जनता की रक्षा के लिए होती है, लेकिन तीन दलों की सरकार ने जनता का शोषण करने को कहा। इतना घिनौना काम कभी भी नहीं हुआ। अगर थोड़ी भी शर्म बची है तो जिम्मेदार मंत्री तुरंत इस्तीफा दे दें।

100 से अधिक फ्लाइओवरों वाला शहर मुंबई

मुंबई, अरब सागर के सात छोटे द्वीप से बने शहर मुंबई की देश में एक अलग पहचान है। देश का प्रमुख आर्थिक केंद्र होने के साथ ही मुंबई के फ्लाइओवरों ने शहर की नई तस्वीर पेश की है। इन फ्लाइओवरों का ऐसा जाल शायद ही किसी दूसरे शहर में देखने को मिले। मुंबई देश का इकलौता शहर है, जहां 100 से अधिक छोटे-बड़े फ्लाइओवर हैं। हाइवे की चौड़ी सड़कों से लेकर रहिवासी इलाके और बाजारों के करीब कई फ्लाइओवर का निर्माण हुआ है। नतीजतन, दिन हो या रात रोजाना लाखों गाड़ियां तेज रफ्तार से दौड़ती रहती हैं। शहर के हर कोने में सड़कों का जाल जाने से घंटों का सफर मिनटों में मुमकिन हो रहा है। फ्लाइओवरों के इतिहास की बात करें तो 1965 में देश के पहले फ्लाइओवर का निर्माण यहीं किया गया था। पैडर रोड के केम्स कॉर्नर में भारतीय इंजीनियर शिरीष पटेल ने केम्स कॉर्नर फ्लाइओवर का निर्माण किया था। 1964 में इस फ्लाइओवर का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। इसे बनाने में करीब सात माह का वक्त लगा था। 1965 में ब्रिज को वाहनों की आवाजाही के लिए शुरू कर दिया गया था। उस वक्त इस पुल के निर्माण पर 17.5 लाख रुपये खर्च किए गए थे, जो 2018 में 8.7 करोड़ रुपये के बराबर थे। इस ब्रिज के निर्माण के कुछ समय बाद ही गिरगांव चौपाटी के करीब दूसरा फ्लाइओवर का निर्माण किया गया। सागर किनारे बने प्रिंसेस स्ट्रीट मरीन ड्राइव फ्लाइओवर अपने निर्माण के समय से सैलानियों का आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पिछले 50 सालों में हजारों फिल्मों में यह ब्रिज नजर आया है। शहर की परिवहन व्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने के लिए सरकार ने भीड़भाड़ और संकरी सड़कों के परिसर में जेजे फ्लाइओवर का निर्माण किया है। 2.4 किमी लंबा यह ब्रिज मोहम्मद अली रोड, भिंडी बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके से गुजरता है। 2002 में बनकर तैयार हुआ यह ब्रिज सैकडों इमारतों के करीब से हो कर गुजरता है।

सरकारी भूखंड पर कब्जा कर चलाते थे सर्विस सेंटर... 13 लोगों पर मामला दर्ज

कल्याण, सरकारी जमीन पर कब्जा कर सड़क किनारे गाड़ी धोनेवाले एक दर्जन से अधिक सर्विस सेंटर चलानेवालों के खिलाफ मानपाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डोंबिवली-पूर्व मानपाड़ा पुलिस के हद में आनेवाले काटई नाका, खोणी फाटा, बदलापुर पाइप लाइन रोड पर कुकुरमुत्ते जैसे गाड़ी धुलनेवाले सर्विस सेंटर खुल गए हैं। एमआईडीसी जल आपूर्ति विभाग के उपअभियंता विजय शेलार के अनुसार काटई नाका से खोणी फाटा तक रोड के किनारे एमआईडीसी की जमीन पर कब्जा कर कार वाहन धुलाई का सर्विस सेंटर चलानेवाले १३ सर्विस सेंटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, उनमें समर्थ सर्विस सेंटर के मालिक योगेश भोईर, आई गांवदेवी सर्विस सेंटर के मालिक रूपेश चितोले, नाना सर्विस सेंटर के मालिक अमोल, गणराज सर्विस सेंटर के मालिक दुर्वेश कालण, गांवदेवी सर्विस सेंटर के मालिक महेश कालण, समर्थ सर्विस सेंटर के मालिक बंटी पवार, जय सद्गुरु सर्विस सेंटर के मालिक संतोष कालण, गांवदेवी वासिंग सेंटर के मालिक निलेश कालण, न्यू गांवदेवी सर्विस सेंटर के मालिक अखिलेश कालण, मोरया वास सेंटर के मालिक अक्षय पाटील, झकास सर्विस सेंटर के मालिक सुधीर संते और मनाली सर्विस सेंटर तथा रुदया सर्विस सेंटर के मालिक शामिल हैं। एमआईडीसी प्रशासन की शिकायत पर मानपाड़ा पुलिस ने इन सर्विस सेंटरों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुटी है।

28 साल का बकाया प्रॉपर्टी टैक्स किया जमा, बीएमसी की कार्रवाई का असर

मुंबई, बीएमसी द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स बकाएदारों के खिलाफ कार्रवाई का असर दिखाई देने लगा है। बीएमसी की कार्रवाई के डर से वर्ली में रहनेवाले एक व्यक्ति ने 28 साल बाद प्रॉपर्टी टैक्स जमा किया। वहीं, बीएमसी द्वारा पानी का कनेक्शन काटे जाने की सूचना मिलते ही बोरीवली की एक सोसायटी ने बकाया प्रॉपर्टी टैक्स दंड के साथ जमा कर दिया।

बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त पी. वेलरासू ने कहा कि वर्ली में 'मे. नेशनल कॉटन प्रोडक्ट' के नाम से 6 व्यावसायिक दुकान का प्रॉपर्टी टैक्स 1992 से बकाया था। दुकानों पर कुल 3 करोड़ 61 लाख 47 हजार रुपये टैक्स बकाया था। बीएमसी की कार्रवाई को देखते हुए संबंधित व्यक्ति ने 3 करोड़ 22 लाख 52 हजार 459 रुपये बीएमसी को सौंप दिए। बोरीवली में कृपाधाम गृहनिर्माण संस्था पर 16 लाख 24 हजार 60 रुपये प्रॉपर्टी टैक्स बकाया था। इसमें 1 लाख 56 हजार 622 रुपये दंड का था। बीएमसी ने टैक्स न जमा करने के कारण सोसायटी के पानी कनेक्शन कटाने की कार्रवाई शुरू की। बीएमसी की कार्रवाई को देखते हुए सोसायटी ने तत्काल प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर दिया।

मुलुंड में वर्धन हॉल पर 95 लाख 78 हजार 409 रुपये प्रॉपर्टी टैक्स बकाया था।

नोटिस भेजने के बाद भी बकाएदार ने टैक्स नहीं जमा किया। बीएमसी ने कार्रवाई करते हुए उस हॉल का पानी कनेक्शन काट दिया। घाटकोपर में दीप्ति सॉलिटेयर कमर्शल प्रॉपर्टी व श्रीपाल कॉम्प्लेक्स कमर्शल प्रॉपर्टी पर क्रमशः 17 लाख 39 हजार 536 रुपये और 49 लाख 22 हजार 375 रुपये का टैक्स बकाया था। दोनों बकाएदारों का बीएमसी ने पानी कनेक्शन काट दिया। बता दें कि वेलरासू के नेतृत्व में बीएमसी ने प्रॉपर्टी टैक्स बकाएदारों के खिलाफ मुंबई में मुहिम शुरू किया है। वेलरासू ने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स से मिलने वाली राशि बीएमसी की आय का मुख्य जरिया है। इसे जमा करने के लिए लोगों को काफी मौका दिया गया। अब 2 प्रतिशत दंड के साथ बकाया वसूला जा रहा है। लोगों को अधिक दंड से बचने के लिए जल्द से जल्द बकाया टैक्स जमा कर देना चाहिए।

पिम्पल्स को रोकने में कारगर हैं ये 6 सुपर फूड्स, ऑयली स्किन वाले लोग जरूर खाएं

स्किन प्रॉब्लम्स में पिम्पल्स की ऐसी समस्या है जिसके ठीक होने के बाद भी दुबारा पिम्पल होने का खतरा बना रह है। ऑयली स्किन वाले लोग इस समस्या को बेहतर तरीके से जानते हैं। ऑयली स्किन

के लिए तो जैसे पिम्पल्स की प्रॉब्लम्स परमानेंट हो। वहीं, पिम्पल्स की समस्या के साथ एक और समस्या जुड़ी होती है कि पिम्पल्स ठीक होने के बाद भी चेहरे पर निशान छोड़ जाते हैं और कई-कई एक्ने तो इतने ज्यादा जिद्दी होते हैं कि महीनों इनका निशान साफ नहीं होता। आज हम आपको ऐस ही फूड्स बता रहे हैं, जो पिम्पल्स को रोकने में कारगर हैं-

पानी

पानी आपके आंतरिक शरीर को पोषण और ऑक्सीजन पहुंचाता है, अंगों को बहुत पोषण, महत्वपूर्ण और मुंहासे से लड़ने के लिए फिट रखता है।

जैतून तेल

जैतून तेल लोशन रोम छिद्रों को बंद किए बिना त्वचा में अवशोषित हो जाता है, जिससे त्वचा सांस ले पाती है। यह मुंहासों को रोकने में मददगार हो सकता है।

नींबू का रस

नींबू का रस एसिड कचरे को खत्म करने और साइट्रिक एसिड के साथ लीवर को साफ करने और रक्त के विषाक्त पदार्थों यानी टॉक्सिन्स को खत्म करने के लिए एंजाइमों के निर्माण में मदद करता है। यह छिद्रों को फ्लश आउट भी करता है, जो त्वचा को ताज़ा और चमकदार बनाता है।

रसबैरी

रसबैरी स्वस्थ आहार हैं, क्योंकि वे विटामिन, एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर से भरे हुए हैं। ये फाइटोकेमिकल्स से भरपूर होते हैं जो त्वचा की सुरक्षा करते हैं।

अखरोट

नियमित रूप से अखरोट खाने से त्वचा की चिकनाई और कोमलता में सुधार होता है। अखरोट के तेल में लिनोलिक एसिड होता है। इसे वॉटरटाइट और अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रखता है।

सोनल झालावाड़िया

सेब

सेब में बहुत सारे पेक्टिन होते हैं और यह मुंहासे का दुश्मन है। तो, याद रखें कि त्वचा को भी खाएं क्योंकि पेक्टिन ज्यादातर वहीं केंद्रित होता है।

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी नहीं होने देंगी ये पांच चीजें, कम पानी पीने वाले लोग डाइट में जरूर करें शामिल

आहार विशेषज्ञ दिन में कम से कम दो लीटर पानी पीने की सलाह देते हैं लेकिन रोजाना दो लीटर पानी पीना सभी लोगों के लिए मुमकिन नहीं है। इस वजह यह है कि किसी को प्यास ज्यादा लगती है तो किसी को कमाऐसे में जाहिर सी बात है कि कम प्यास लगने वाले लोग पानी भी कम पीते होंगे।ऐसे में आपको अपनी डाइट में कुछ ऐसी चीजें जोड़नी चाहिए जिससे कि शरीर में पानी की कमी की पूर्ति हो सके।आइए, जानते हैं कुछ ऐसे ही आहार-

दही

डिहाइड्रेशन की समस्या से दूर रखने में दही सबसे अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। इसमें पानी की मात्रा 85 प्रतिशत होती है और शरीर के लिए जरूरी प्रोबायोटिक भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होते हैं।यह गर्मी की एलर्जी से बचाव के लिए भी शरीर का

खूब साथ देता है। यह प्रोटीन, विटामिन बी और कैल्शियम का अच्छा स्रोत है।

ब्रोकली

ब्रोकली में 89 प्रतिशत तक पानी

होता है और यह न्यूट्रिशन से भरपूर होती है। इसकी प्रकृति एंटी इनफ्लेमेटरी होती है, जिस कारण यह गर्मी में होने वाली एलर्जी से बचाव करती है। इसे आप सलाद में कच्चा ही खा सकते हैं और टोस्ट के साथ हल्का तल कर भी इसका भरपूर लाभ उठा सकते हैं। काफी संख्या में लोग इसकी सब्जी भी बनाते हैं।

सेब

एक कहावत है कि डॉक्टर को खुद से दूर रखने के लिए रोजाना एक सेब खाएं। अनेक तरह से फायदेमंद सेब में 86 प्रतिशत पानी होता है। फाइबर, विटामिन सी आदि का तो यह अच्छा स्रोत है ही।

सलाद

सलाद के पत्ते में जल तत्व 95

संजय शर्मा

प्रतिशत होता है। सैंडविच में इसका अच्छा इस्तेमाल होता है। प्रोटीन और ओमेगा 3 से भरपूर सलाद पत्ते में फैट भी नहीं होता और कैलोरी भी बहुत कम होती है।

चावल

पके हुए चावल भी गर्मी में आपके लिए काफी फायदेमंद हैं। इनमें 70 प्रतिशत जल तत्व होता है। इनमें पर्याप्त मात्रा में आयरन, कार्बोहाइड्रेट आदि भी होते हैं। आपको दिन मे एक कटोरी चावल जरूर खाने चाहिए।

ओपन पोर्स से छुटकारा पाने के लिए घर पर बनाएं देसी लेमन टोनर, जानें कब और कैसे करें स्किन पर इस्तेमाल

स्किन को मेकअप करके कुछ वक्त के लिए ग्लोंइग बनाया जा सकता है लेकिन नेचुरल ग्लो के लिए बहुत जरूरी है कुछ बेसिक बातों का ध्यान रखना। जैसे, आपकी स्किन कभी भी ग्लोइंग नहीं बन सकती अगर आपको ओपन पोर्स की समस्या होती है। ओपन पोर्स की समस्या का बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है, टोनर का इस्तेमाल न करना। इससे न सिर्फ आपका चेहरा ईवन टोन नजर नहीं आता बल्कि इससे आपकी स्किन जवां भी नहीं लगती।

स्किन पर क्यों जरूरी है टोनर

त्वचा पर बड़े-बड़े खुले हुए स्किन पोर्स ना दिखाई पड़ें, इसके लिए हर बार फेशवॉश करने के बाद स्किन टोनर लगाना बहुत जरूरी होता है, इससे आपके स्किन पोर्स यानी रोम छिद्र छोटे हो जाएं और स्किन में टाइटनेस आ जाए। नहीं तो इन पोर्स में गंदगी जमा होती है, जिस वजह से पिंपल्स, ब्लैक हेड्स और एक्सट्रा ऑयल आने जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

नेचुरल टोनर कैसे बनाएं

सबसे पहले नींबू को धो लें और उन्हें छील लें।

अब नींबू के छिलकों को मिक्सर में डालें। अब इसमें 2-3 चम्मच गुलाब जल डालें।अब इन दोनों इंग्रीडियंट्स को पीसकर पेस्ट बना लें।

नींबू में विटामिन-सी होता है, जो स्किन को ग्लोइंग बनाता है। इसके उपयोग से डार्क स्पॉट्स और रिंकल्स दूर होते हैं। नींबू को हमेशा गुलाब जल या दूसरे इंग्रीडिएंट्स के साथ मिलाकर ही उपयोग करना चाहिए क्योंकि यह स्किन पर बहुत जल्दी रिऐक्ट करता है, इससे आपको जलन हो सकती है।

मार्केट वाली ठंडाई घर पर बनाना हुआ आसान, बस फॉलो करें ये रेसिपी

होली का दिन हो या गर्मियों में खुद को ताजगी और उर्जा देने की बात, ठंडाई का नाम सबसे पहले आता है। यह एक भारतीय पारंपरिक शीतल पेय रेसिपी है। इसका वर्णन आयुर्वेद में भी मिलता है। यूं तो ठंडाई पीने के कई फायदे हैं लेकिन होली पर इसका सेवन जरूर किया जाता है। आमतौर पर लोग पैकेट बंद ठंडाई का मसाला लेकर आते हैं

और दूध में घोल में पीते हैं, लेकिन उसका स्वाद बाजार जैसी ठंडाई जैसा नही होता है। अगर आप भी इस होली घर पर बाजार जैसी क्रीमी और फ्लेवरफुल ठंडाई बनाना चाहते हैं तो फॉलो करें ये रेसिपी।

ठंडाई बनाने के लिए सामग्री-

-4.5 कप फुल फैट मिल्क (उबालकर ठंडा किया हुआ)
-1/4 कप पाउडर शक्कर
-1 चुटकी कुटी काली मिर्च
-कुछ स्ट्रैंड केसर
-1/4 कप बादाम पाउडर
2 चम्मच खस-खस पाउडर
2 चम्मच सौंफ पाउडर
- 1/2 चम्मच इलाइची पीसी हुई
-20 व्हाइट पेपरकॉर्न या 4-6 चम्मच गुलकंद

ठंडाई बनाने की रेसिपी-

ठंडाई बनाने के लिए सबसे पहले सभी इंग्रीडियंट्स को एक साथ ब्लेंड करके स्टोर कर लें। अब आप ठंडे दूध को फ्रिज में से निकालकर उसमें दो चम्मच यह पाउडर मिलाकर अच्छे से चलाकर 2 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इसके बाद इसे छानकर इसमें शक्कर, काली मिर्च पाउडर और केसर मिलाएं। आपकी ठंडाई सर्व करने के लिए तैयार है।

कहीं आपके घुटनों में दर्द की वजह कैल्शियम की कमी तो नहीं! इन 7 चीजों आज ही खाना शुरू कर दें

दूध को कैल्शियम से भरपूर माना जाता है लेकिन कई लोग ऐसे हैं जिन्हें दूध पसंद नहीं होता। इस वजह से वे दूध से दूरी बनाए रखते हैं लेकिन आपको बता दें कि दूध न पीने की आदत का खामियाजा आपको उम्र बढ़ने के साथ उठाना पड़ सकता है। कैल्शियम की पूर्ति के लिए ऐसी कई चीजें हैं, जिनका सेवन विकल्प के तौर पर किया जा सकता है। आइए, जानते हैं उन खाद्य पदार्थों के बारे में-

हड्डियों और जोड़ों में दर्द

कैल्शियम से भरपूर खाना हड्डियों और जोड़ों को हेल्दी बनाए रखने में अहम रोल निभाता है। यही नहीं, इसके साथ ही यह दातों को मजबूत बनाता है और रक्त कोशिकाओं को स्ट्रॉन्ग बनाता है। ब्लड को नियंत्रित करने और डायबिटीज़ से बचाने में भी कैल्शियम महत्वपूर्ण रोल निभाता है। ऐसा कुछ फिक्स नहीं है कि एक व्यक्ति को एक दिन में कितना कैल्शियम लेना चाहिए। यह अलग-अलग देश में अलग-अलग होता है, यहां तक कि व्यक्ति-व्यक्ति पर निर्भर करता है। यह शरीर के विकास और मसल बनाने में भी सहायक होता है।

ओटमील

ओटमील में कैल्शियम की मात्रा ज्यादा नहीं होती लेकिन दूसरी चीजों को इसके साथ मिलाकर खाने से कैल्शियम की मात्रा को बढ़ाया जा सकता है।वहीं, दूध न पीने पर यह ऑप्शन बेहतरीन रहेगा।

बादाम का दूध

आपको अगर दूध में टेस्ट नहीं आता या इसकी महक अच्छी नहीं लगती, तो आप बादाम का दूध भी पी सकते हैं।इसमें कैल्शियम के अलावा विटामिन-ई, प्रोटीन और फाइबर मिलता है।

बीन्स

बीन्स में कैल्शियम ही नहीं प्रोटीन की मात्रा भी बहुत ज्यादा होती है।बीन्स को खाने का सबसे बेस्ट ऑप्शन यह है कि आप इसे स्टीम करके सलाद के रूप में खा सकते हैं।

संतरा

संतरे को विटामिन-सी का सबसे बेस्ट ऑप्शन माना जाता है।संतरे में विटामिन सी ही नहीं बल्कि कैल्शियम की मात्रा भी अन्य फलों की तुलना में बहुत ज्यादा होती है।

सफेद तिल

सफेद तिल के लड्डू स्वाद में ही नहीं बल्कि हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छे होते हैं।आपको जानकर हैरानी होगी कि अगर आप रोजाना दो लड्डू खा लेते हैं, तो आपके शरीर में कैल्शियम की पूर्ति हो जाती है।

सोया मिल्क

सोया मिल्क में गाय या भैंस के दूध से कहीं ज्यादा कैल्शियम होता है।ऐसे में अगर आपको भैंस या गाय के दूध से एलर्जी है, तो आप सोया मिल्क को पीने के साथ इससे दही, लस्सी बनाकर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

हरे पत्तेदार सब्जियां

हरे पत्तेदार सब्जियों को सेहत के लिहाज से सबसे बेस्ट माना जाता है।आपको अगर हरे पत्तेदार सब्जियां अच्छी नहीं भी लगती, तो कोशिश करें कि मसालों या पनीर का इस्तेमाल करके इन्हें ज्यादा से ज्यादा मात्रा में खाएं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए वक्त सुधार पर है। आपकी योजनाओं के साकार रूप लेने का वक्त आ गया है। इस सप्ताह के मध्य तक कोई अच्छी सूचना मिल सकती है, जो आपके बेहतर भविष्य में काम आएगी। धन का संकट कुछ मात्रा में रह सकता है, लेकिन कोई काम पैसों की खातिर रूकेगा नहीं। नए कार्य व्यवसाय का शुभारंभ करना चाहते हैं तो कर सकते हैं।

वृषभ : आपके लिए समय अनुकूल बनता जा रहा है। इस सप्ताह पुराने झंझट और संकटों में कमी आएगी, लेकिन आप ध्यान रखें कि अपने कार्य में कुछ नवाचार और वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करने की आवश्यकता है। अपने किसी भी निर्णय को अंतिम निर्णय ना मानें और जो करें सोच-समझकर करें।

मिथुन : आपकी सेहत के लिहाज से यह सप्ताह बेहतर है। मानसिक और शारीरिक रूप से आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे। किसी परेशानी से बाहर निकलने में परिवार आपकी मदद करेगा। नए कार्य व्यवसाय और नौकरी का श्रीगणेश करना चाहते हैं तो कर सकते हैं समय आपके अनुकूल शुरू हो रहा है।

कर्क : राशि स्वामी भगवान चंद्रदेव आपको मानसिक शांति प्रदान करेंगे। बहुत दिनों से आप जिन समस्याओं से जूझ रहे हैं उनसे बाहर निकलने का रास्ता इस सप्ताह मिल सकता है। इसमें परिवार आपकी ज्यादा अच्छे से मदद कर पाएगा। आपकी सेहत इस सप्ताह सामान्य रहेगी, लेकिन ध्यान रखें किसी भी बात का अधिक तनाव नहीं लेना है।

सिंह : आपके लिए यह सप्ताह मान-सम्मान और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि करने वाला साबित होगा। यदि आप किसी सामाजिक संस्था या सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं तो आपको कोई महत्वपूर्ण पद या सम्मान मिल सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिए यह सप्ताह अधिक मेहनत करने का है। ध्यान पूरा पढ़ाई पर लगाना होगा।

कन्या : इस राशि के जो लोग बिजनेस फील्ड से जुड़े हुए हैं वे खुश रहेंगे क्योंकि उनके बिजनेस में तरक्की का समय आ गया है। इस सप्ताह कोई बड़ा प्रोजेक्ट हासिल हो सकता है। भूमि, भवन, संपत्ति के कार्य संपन्न् होंगे। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो भी कर सकते हैं लेकिन पहले परिवार के अनुभवी लोगों से राय मशविरा कर लें।

तुला : इस सप्ताह आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी विशेष कार्य के पूर्ण हो जाने से मानसिक सुख प्राप्त होगा। जो लोग प्रेम संबंध में हैं वे सावधान रहें, कोई व्यक्ति आपके संबंधों में दरार डालने की कोशिश कर सकता है। पारिवारिक स्थिति में भी अपने से बड़ों से वैचारिक मतभेद हो सकता है। दांपत्य जीवन में थोड़ा टेंशन आएगा।

वृश्चिक : आपके क्रोध में इस सप्ताह वृद्धि होगी। छोटी-छोटी बात पर गुस्सा बहुत आएगा लेकिन ध्यान रखें गुस्से को काबू करना सीखें वरना संबंध बिगाड़ लेंगे। कारोबारियों के सामने चुनौतियां हैं लेकिन मेहनत के दम पर चुनौतियों से पार पा लेंगे। नौकरीपेशा लोगों का अपने उच्चाधिकारियों से विवाद होगा। स्वास्थ्य भी गड़बड़ा सकता है।

धनु : आपके आत्मविश्वास, संयम और धैर्य की परीक्षा वाला सप्ताह है। चुनौतियां और संकट कितने भी आएं आप धैर्य से काम लेंगे तो सब शुभ होगा। किसी भी काम को करने की हड़बड़ी ना करें। नया कार्य व्यवसाय प्रारंभ करने से पहले अच्छे बुरे का सोच विचार कर लें। इस सप्ताह कोई साझेदार भी मिल सकता है।

मकर : आर्थिक स्थिति के लिए यह सप्ताह टेंशन दूर करने वाला साबित होगा। पुरानी कार्ययोजनाएं साकार होने जा रही है, लेकिन अपने वर्तमान कार्य के विस्तार करने के बारे में भी सोचना होगा। तकनीकी, कंप्यूटर और इंजीनियरिंग फील्ड से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिलने वाले हैं। यह सप्ताह यंग प्रोफेशनल्स के लिए अवसरों वाला है।

कुंभ : यदि आप बिल्डिंग मटेरियल, ऑटोमोबाइल या तेल के कारोबार से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए यह सप्ताह परेशानी भरा रहेगा। मनमुताबिक बिजनेस नहीं चलेगा। अन्य कारोबारियों के लिए सप्ताह सामान्य है, अपनी मेहनत के दम पर चुनौतियों को दूर कर लेंगे। इस सप्ताह आपको स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा।

मीन : आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए यह सप्ताह बहुत अच्छा है। पिछले सप्ताहों में जो परेशानियां आप झेलते आए हैं वे दूर हो जाएंगी और आप मानसिक शांति महसूस करेंगे। सुखों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ बिताया वक्त आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी।

अगर आपकी पत्नी ज्यादा मोबाइल चलाती है तो उसे डांटे नहीं. उसका मोबाइल फेंक दें। याद रहे, हमें बीमारी से लड़ना है, बीमार से नहीं।

लॉकडाउन में घर पर बैठे-बैठे बीवी से इतनी अच्छी दोस्ती हो गई कि.....बातों-बातों में उसे गर्लफ्रेंड के बारे में बता दिया।

कानपुर सबसे अलग है। यहां ये समस्या नहीं है कि मास्क कैसे पहनना है.....बल्कि ये समस्या है कि मास्क पहनने के बाद गुटखा कैसे थूकें।

लॉकडाउन उल्लंघन के केस वापस ले सकती है नीतीश सरकार, विधि विभाग से ली जा रही है राय

कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के दौरान इसके उल्लंघन से जुड़े मुकदमे वापस हो सकते हैं। विधान परिषद में शुक्रवार को गैर सरकारी संकल्प के जवाब में प्रभारी मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि गृह विभाग के पास मामला विचाराधीन है।

आदित्य नारायण पांडेय ने गैर सरकारी संकल्प के जरिए प्रस्ताव किया था कि कोरोना काल में हुए लॉकडाउन के दौरान कोविड-19 के केंद्र और राज्य के निर्देश का उल्लंघन करने वालों पर हुए मुकदमे को वापस लिया जाए। इसपर प्रभारी मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि इस संबंध में विधि विभाग और सभी डीएम से पत्राचार किया गया है।

गृह विभाग के पास मामला विचाराधीन है।

मंत्री के जवाब के बाद विधान पार्षद ने अपना गैर सरकारी संकल्प वापस ले लिया। संभावना जताई जा रही है विधि विभाग से राय लेने के बाद राज्य सरकार इसपर जल्द निर्णय लेगी। यदि सरकार इन मुकदमों को वापस लेती है तो बड़ी आबादी को राहत मिलेगी। बता दें कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 के तहत लॉकडउन उल्लंघन के मामला दर्ज किए गए हैं।

यूपी के श्रमिकों को बड़ा तोहफा देने जा रही है योगी सरकार, चिकित्सा सुविधा में होगी 1000 रुपये की बढ़ोत्तरी

प्रदेश में श्रमिकों के लिए जारी चिकित्सा सुविधा योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि में जल्द ही बढ़ोतरी होगी। राज्य सरकार इस सहायता राशि में 1000 रूपये की वृद्धि करने पर विचार कर रही हैं। इस योजना के माध्यम से श्रमिकों को फिलहाल इलाज के लिए 3,000 रुपये तक की सरकारी सहायता दिए जाने का प्रावधान है। यह सहायता बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में जिन श्रमिकों को मजदूरी नहीं मिल पाती है उनके लिए यह योजना कुछ हद तक आर्थिक राहत प्रदान करती है।

बताया जाता है कि सरकार इस सहायता राशि में 1000 रूपये की वृद्धि कर इसे 4000 रूपये करने जा रही है। जानकारों का कहना है कि सरकार श्रमिकों के लिए प्रदेश में जारी कुछ अन्य योजनाओं में भी आर्थिक सहायता राशि में वृद्धि करने पर विचार कर रही है। फिलहाल चिकित्सा सुविधा योजना में राशि बढ़ाए जाने पर और कितने धन की आवश्यकता होगी इसका आंक़लन किया जा रहा है। जल्द प्रस्ताव तैयार मंजूरी के लिए कैबिनेट भेजा जाएगा।

क्या है चिकित्सा सहायता योजना

श्रम विभाग की इस योजना का लाभ पाने के लिए श्रमिक को विभागीय वेबसाइट पर अपना पंजीयन कराना होता है। ज्यादातर श्रमिक दिहाड़ी मजदूरी कर अपना जीवन-यापन करते हैं। निर्माण स्थल पर चोट या छोटी-मोटी बीमारी होने पर उनकी आमदनी रुक जाती है। इस योजना की सहायता से उन्हें इलाज कराने के लिए आर्थिक सहायता दिए जाने का प्रावधान है। चोट लगने या बीमारी की स्थिति में एकमुश्त 3,000 रुपये उनके बैंक खाते में डाले जाते हैं।

पात्रता के लिए जरूरी

चिकित्सा सुविधा योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक को उत्तर प्रदेश का नागरिक होना चाहिए। आधार कार्ड का होना भी जरूरी है। किसी बैंक राष्ट्रीयकृत, सहकारी, ग्रामीण या रिजर्व बैंक से मान्यता प्राब्त निजी क्षेत्र के बैंक में खाता होना चाहिए। रजिस्ट्रेशन एक साल पुराना होना जरूरी है। अगर पति-पत्नी दोनों रजिस्टर्ड हैं और साथ आवेदन करते हैं तो पत्नी के खाते में तीन हजार रुपये भेजे जाएंगे।

दहेज के बाकी रुपये नहीं लाई विवाहित तो पति ने कर दी हत्या, दी जाती थीं मानसिक और शारीरिक यातनाएं

वैशाली जिले के जंदाहा के झम्मन गंज में एक विवाहिता की दहेज के बाकी एक लाख रुपये लाने के दबाव में हत्या करने का मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में मृतका ममता देवी के भाई दलसिंहसराय थाना के लोदीपुर असीन चक निवासी विजय कुमार झा ने थाने में आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि अपनी बहन की शादी जंदाहा के झमनगंज निवासी दिनेश झा के पुत्र सचिन कुमार झा के साथ की थी। इसी बीच परिवार के लोगों ने बहन को दहेज का बाकी एक लाख रुपया अपने पिता से मांग कर लाने के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उसे शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी जाने लगीं। एक बार जलाने की भी कोशिश की गई थी। सूचना पर वे लोग पहुंचें तो पंचायत के दौरान समझाने की कोशिश की गई। इसके बावजूद वे लोग अपनी हरकत से बाज नहीं आए।

इस दौरान 18 मार्च को बहन के ससुराल वालों- पति सचिन कुमार झा, ससुर दिनेश झा, सास मीना देवी, रामबालक झा, रामाकांत झा, जनार्दन झा उर्फ चिंटू झा, चंदन कुमार, सनी कुमार सभी ने राय मशविरा करके बहन की हत्या कर दी। भाई ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

रीता बहुगुणा जोशी, राजबब्बर समेत अन्य अभियुक्तों की डिस्चार्ज अर्जी खारिज, तीन अप्रैल को तय होगा आरोप

एमपीएमएलए कोर्ट के विशेष जज पवन कुमार राय ने धरना-प्रदर्शन के दौरान तोड-फोड़ व पुलिस बल पर हमला करने आदि के एक आपराधिक मामले में रीता बहुगुणा जोशी, मधुसुदन मिस्त्री, निर्मल खत्री व प्रदीप जैन की डिस्चार्ज अर्जी खारिज कर दी है। साथ ही इस मामले के सभी अभियुक्तों पर आरोप तय करने के लिए तीन अप्रैल की तारीख तय की है। बीते 20 फरवरी को विशेष जज ने राज्य सरकार की उस अर्जी को खारिज किया था, जिसमें इस मामले को जनहित में वापस लेने की मांग की गई थी। उन्होंने सरकार की अर्जी खारिज करते हुए इस मामले को गंभीर करार दिया था।इस मामले में रीता बहुगुणा जोशी, राज बब्बर, प्रदीप जैन आदित्य, अजय राय, निर्मल खत्री, राजेश पति त्रिपाठी व मधुसुदन मिस्त्री समेत 18 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल है।

यह है मामला

17 अगस्त, 2015 को इस मामले की एफआईआर एसआई प्यारेलाल प्रजापति ने थाना हजरतगंज में दज कराई थी। उस रोज कांगे्रस पार्टी का लक्ष्मण मेला स्थल पर धरना-प्रदर्शन था। करीब पांच हजार कार्यकर्ताओं के साथ अचानक यह सभी अभियुक्तगण धरना स्थल से विधान सभा का घेराव करने निकल पड़े। इन्हें समझाने व रोकने का प्रयास किया गया लेकिन नहीं माने। संकल्प वाटिका के पास पथराव करने लगे। जिससे भगदड़ मच गई। इस हमले में एडीएम पूर्वी निधि श्रीवास्तव, एसपी पुर्वी राजीव मल्होत्रा, सीओ ट्रैफिक अवनीश मिश्रा, एसएचओ आलमबाग विकास पांडेय व एसओ हुसैनगंज शिवशंकर सिंह समेत पुलिस के कई अधिकारी व पीएसी के कई जवान गंभीर रुप से घायल हो गए। अशोक मार्ग से आने व जाने वाले आम जनता को भी चोटें आई। कई गाडियां के शीशे टूट गए। कानून व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गया। 25 दिसंबर, 2015 को विवेचना के बाद पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ आईपीसी की कई गंभीर धाराओं व क्रिमिनल ला अमेंडमेंट एक्ट की धारा में भी आरोप पत्र दाखिल किया था।

होली और पंचायत चुनाव से पहले पकड़ी 45 लाख की बीयर

होली व पंचायत चुनाव के मद्देजर शराब की कालाबाजारी शुरू हो गई है। दस्तावेज के अनुसार बीयर राजस्थान से हरियाणा के ट्रक में भरकर झारखंड ले जानी थी। इसे लीडर रोड पर ही उतार लिया गया। मौके पर आबकारी विभाग व पुलिस की टीम ने दबिश डालकर ट्रक कब्जे में लिया। ट्रक में 1364 पेटियां बीयर लदी हुई थीं। इसे प्रदेश में बेचने की अनुमति नहीं थी। इसकी कीमत 45 लाख आंकी गई है।

होली व पंचायत चुनाव को देखते हुए डीएम भानु चंद्र गोस्वामी ने आबकारी विभाग व पुलिस की संयुक्त टीमों का गठन किया है। शनिवार को लीडर रोड से एक ट्रक बीयर उतारे जाने की सूचना मिली। लीडर रोड चौकी प्रभारी राजीव कुमार श्रीवास्तव ने आबकारी विभाग को भी सूचना दी। आबकारी निरीक्षक इंद्रजीत गर्ग व सुभाष चंद्र टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने देखा तो 1364 पेटियों में 500 एमएल के बीयर केन भरे थे।

आबकारी निरीक्षक इंद्रजीत गर्ग ने बताया कि दस्तावेज के अनुसार बीयर राजस्थान से निर्गत हुई थी, इसे झारखंड ले जाना था। इसे लीडर रोड प्रयागराज में उतारकर कालाबाजारी करने की तैयारी थी। मौके से पलवल हरियाणा के ड्राइवर आदिल को गिरफ्तार कर पुलिस को सौंपा गया। आबकारी अधिनियम के साथ ही धोखाधड़ी का भी मामला पंजीकृत कराया गया है। इस दौरान प्रधान आबकारी सिपाही शशिकांत सिंह, शीतला यादव भी मौजूद रहे।

अब आप भी मेट्रो में मना सकते हैं अपना बर्थडे, जानें कितने रुपए प्रति घंटे से मिलेंगे कोच

बर्थडे पार्टी सेलिब्रेट करने के लिए होटल, रेस्टोरेंट की बुकिंग करना अब पुरानी बात हो गई। क्योंकि अब आपके पास मेट्रो में भी जन्मदिन को खास बनाने का मौका है। दरअसल, अधिक से अधिक कमाई करने के उद्देश्य से जयपुर मेट्रो आपको बर्थडे से लेकर अन्य कार्यक्रमों का जश्न मनाने का मौका दे रही है। इसके लिए आप पैसे देकर मेट्रो के कोच को हायर कर सकते हैं।

जयपुर मेट्रो ने कहा कि अधिक कमाई करने की पहल तहत अब लोग जन्मदिन और अन्य कार्यक्रमों का जश्न मनाने के लिए मेट्रो का कोच किराए पर ले सकते हैं।

इससे पहले जयपुर मेट्रो छोटे विज्ञापनों की शूटिंग के लिए भी ऑफर कर चुकी है।

गुरुवार को एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जो शख्स मेट्रो कोच में किसी कार्यक्रम का जश्न मनाने की इच्छा रखता है, उसे चार घंटे के लिए 5,000 रुपये प्रति कोच पैसे देने होंगे। इसके अलावा, 1,000 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से अतिरिक्त घंटे के पैसे देने होंगे। इसी तरह चार कोचों के लिए शुल्क प्रति घंटे 20,000 रुपये और अतिरिक्त 5,000 रुपये प्रति घंटे होगा।

बयान में यह भी कहा गया है कि एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के सहयोग से मेट्रो स्टेशनों पर बैनर, स्टैंड और कैनोपी के माध्यम से शॉर्ट टर्म विज्ञापन की भी व्यवस्था की गई है।

महाराष्ट्र में बेकाबू हुआ कोरोना वायरस, एक दिन में मिले 27 हजार से ज्यादा नए मामले

महाराष्ट्र में दूसरी लहर के दौरान कोरोना वायरस बेकाबू हो गया है। पिछले कुछ दिनों से लगातार मामले बढ़ते जा रहे हैं। राज्य में पिछले 24 घंटे में 27 हजार से ज्यादा कोरोना केस सामने आए हैं। इसके साथ ही मरने वालों की भी संख्या में इजाफा हुआ है। उधर, नागपुर में 31 मार्च तक लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है।

राज्य के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में 27,126 नए मामले सामने आए। 92 लोगों की जान चली गई। जबकि 13588 मरीज बीमारी से ठीक हुए हैं। कुल संक्रमितों की संख्या की बात करें तो अभी 24,49,147 लोग संक्रमित हो चुके हैं और 53,300 लोगों की मौत हो चुकी है।

एक दिन पहले शुक्रवार को कोविड-19 संक्रमण के 25,681 नए मामले दर्ज किए गए थे। पिछले साल इस महामारी के शुरू होने के बाद एक दिन में सामने आए मामलों की यह दूसरी सबसे अधिक संख्या थी। मुंबई में शुक्रवार को कोविड-19 संक्रमण के 3,062 नए मामले सामने आए जिससे मामलों की कुल संख्या बढ़कर 3,55,897 पर पहुंच गई थी। वहीं, महाराष्ट्र के मंत्री नितिन राउत ने नागपुर में 31 मार्च तक लॉकडाउन को बढ़ाने का ऐलान किया है। हालांकि, कुछ ढील भी दी जाएगी। कोविड-19 संक्रमण में वृद्धि के बाद, 15 से 21 मार्च तक जिले में कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। जिला संरक्षक मंत्री राउत ने स्थिति का आकलन करने के लिए जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने कहा कि जिले में आंशिक छूटों के साथ प्रतिबंध 31 मार्च तक लागू रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि होली के त्योहार के लिए एक अलग एसओपी जारी की जाएगी। मंत्री ने बताया कि आवश्यक सामान को बेचने वाली दुकानों को अपराह्न चार बजे तक खोलने की अनुमति दी जाएगी।

शिवमोगा में किसानों से बोले राकेश टिकैत- बेंगलुरु को 'दिल्ली' बनाने की जरूरत, शहर का चारों ओर से करें घेराव

नए कृषि कानून के खिलाफ चल रहा किसानों के आंदोलन को और बड़ा करने की तैयारी चल रही है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने शनिवार को कहा है कि आपको बेंगलुरु में एक दिल्ली बनाने की जरूरत है और इसे चारों तरफ से घेरा जाए। टिकैत ने कहा कि दिल्ली जैसा ही आंदोलन बेंगलुरु में भी करने की जरूरत है। कर्नाटक के शिवमोगा में एक रैली को संबोधित करते हुए किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि दिल्ली में लाखों लोग घेराव कर रहे हैं। यह लड़ाई लंबे समय तक चलेगी। जब तक कि इन तीन काले कानूनों को वापस नहीं लिया जाता है और एमएसपी पर कानून नहीं लाया जाता है तब तक हमें हर शहर में इस तरह के विरोध प्रदर्शन शुरू करने की आवश्यकता है।

घर से अगवा कर कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जुएल लोमगा की हत्या, पुलिस ने कब्र निकलवाई लाश

पश्चिमी सिंहभूम के गुदड़ी प्रखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बुडूंगकेल गांव निवासी के जुएल लोमगा की गुरुवार रात अज्ञात अपराधियों ने घर से अगवा कर हत्या कर दी। मृतक लोमगा का घर पोड़ाहाट जंगल के सुदूरवर्ती गुदड़ी थाना क्षेत्र के बुडूंगकेल में है। घटना उसके घर के पास ही हुई है। एसपी अजय लिंडा ने कहा कि शुक्रवार को पुलिस को सूचना मिली कि बुडूंगकेल के 60 वर्षीय जुएल लोमगा की हत्या कर दी गई है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई को लेकर गुदड़ी पुलिस और सीआरपीएफ 60 बटालियन के जवान गांव पहुंचे और मामले की जांच की। इस दौरान पुलिस को पता चला कि जुएल लोमगा की हत्या कर शव को दफना दिया गया है। इसके बाद पुलिस ने दंडाधिकारी की उपस्थिति में गड्ढा खोद कर शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी ने बताया कि घटना आपसी विवाद से जुड़ा हुआ है। मामले को लेकर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार रात करीब दस बजे कुछ अज्ञात युवकों ने घर में आवाज देकर बुलाया और जुएल लोमगा को साथ ले गए। सुबह परिजनों ने जब खोजबीन की तो घर के समीप स्थित कारो नदी के किनारे कपड़े व चप्पल देखे। पास ही खून के छींटे दिखे, जिससे परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

शांत स्वभाव के थे जुएल

जुएल लोमगा के बारे में ग्रामीण बताते हैं कि वे बड़े सीधे और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे।

प्रपत्र - 4
(नियम 8 देखें)
मुंबई तरंग अखबार की मालकी और अन्य जानकारियां

1) प्रकाशक का स्थान	: 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प़) मुंबई 400102
2) प्रकाशन की अवधी	: साप्ताहिक
3) मुद्रक का नाम	: एस.आर. पब्लिकेशन
नागरिकता	: भारतीय
पता	: मोहन अर्जुन कंपाउंड नं. 8-9-10, नीयर घरातन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टॉप, दहिसर (पूर्व), मुंबई-400068
4) प्रकाशक का नाम	: दिलीप नानजीभाई पटेल
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प़) मुंबई 400102
5) संपादक का नाम	: दिलीप नानजीभाई पटेल
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प़) मुंबई 400102
6) मालिक का नाम	: दिलीप नानजीभाई पटेल
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प़) मुंबई 400102

मैं दिलीप नानजीभाई पटेल घोषणा करता हूं कि ऊपर दी गई जानकारी पूरी तरह सही है।
तारीख : 21-3-2021

सही/-
दिलीप नानजीभाई पटेल

खेल जगत

में हिस्सा लेने मुंबई पहुंचे ड्वेन ब्रावो

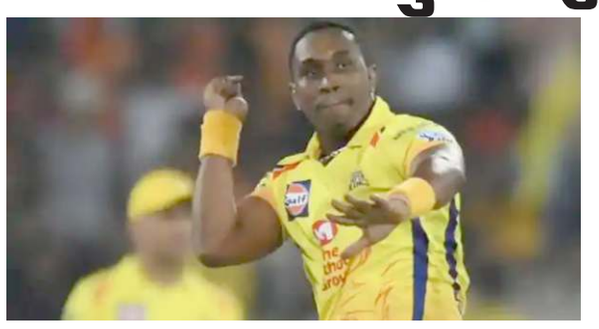

इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) का 14 वां सीजन 9 अप्रैल से शुरू हो रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम की तरफ से आईपीएल 2021 में हिस्सा लेने के लिए ड्वेन ब्रावो मुंबई पहुंच गए हैं। सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ड्वेन ब्रावो पसंदीदा खिलाड़ी रहे हैं। इस बार भी उन्हें ब्रावो से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। सीएसके के लिए आईपीएल का पिछला सीजन अच्छा नहीं रहा था। चेन्नई सुपर किंग्स ने ट्विटर पर ब्रावो का
एक वीडियो शेयर किया है।
इस वीडियो में ब्रावो सीएसके के स्टार खिलाड़ी अंबाती रायडू के बारे में बात कर रहे हैं। वो कह रहे हैं मेरे भाई अंबाती रायडू में यहां हूं। वहीं इस वीडियो के कैप्शन में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार खिलाड़ी का मुंबई पहुंचने पर स्वागत किया है। इससे पहले सीएसके एक और वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वो कह रहे थे कि उन्हें नहीं पता कि ब्रावो कहां है। ब्रावो आईपीएल में प्रमुख ऑलराउंडरों में से एक है। वो तेज
आईपीएल में ब्रावो मुंबई इंडियंस और सीएसके का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने आईपीएल में 153 विकेट लिए हैं। आईपीएल में 22 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रनों की बात करें तो आईपीएल में ब्रावो के नाम 1490 रन है।

माइकल वॉन ने बताया, पांचवें टी-20 में केएल राहुल की जगह ईशान किशन को करनी चाहिए रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग

भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां और निर्णायक टी20 मुकाबला 20 मार्च (शनिवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पांच मैचों की सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है और इस मैच को जीतने वाली टीम सीरीज पर कब्जा करेगी। पांचवें मैच में टीम इंडिया लगातार फ्लॉप चल रहे केएल राहुल को टीम से बाहर कर शिखर धवन या ईशान किशन को प्लेइंग इलेवन में शामिल कर सकती है। इसी बीच, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने टीम इंडिया को राहुल की जगह पर ईशान किशन को बतौर सलामी बल्लेबाज खिलाने की सलाह दी है।
माइकल वॉन ने क्रिकबज से बात करते हुए कहा, 'केएल राहुल नहीं खेलेंगे, सिंपल। आप इसको एक खराब गेम के तौर पर नहीं देख सकते है और इस मिनट पर आपका बेस्ट प्लेयर कौन है, जिसके पास एकदम स्पष्टता और कॉन्फिडेंस है। ईशान किशन को ओपनिंग करनी चाहिए। मेरे लिए केएल राहुल हमेशा के लिए टीम से बाहर नहीं होंगे, लेकिन इस

समय वह उस आत्मविश्वास के साथ नहीं खेल रहे हैं, वह अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं तो ईशान किशन को रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करने के लिए आना चाहिए।'
ईशान किशन ने दूसरे टी20 मैच में अपना डेब्यू इनिंग में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए तेज तर्रार अर्धशतक जड़ा था।
केएल राहुल अबतक इस टी20 सीरीज में रनों के लिए लगातार जूझते नजर आए हैं और दो मैचों में वह खाता भी नहीं खोल सके हैं।
अबतक खेली पारियों में कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने महज 15 रन बनाए हैं। राहुल का प्रदर्शन पिछले कुछ सालों में शानदार रहा है और आईपीएल 2020 में भी उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाए थे। सीरीज के चौथे टी20 मैच में भारत ने इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में 8 रनों से हराया था।
टीम की तरफ से सूर्यकुमार यादव ने 57 रनों की आतिशी पारी खेली थी, जबकि शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट झटके थे।

सीईओ विनोद बिष्ट ने किया कंफर्म, IPL 2021 में श्रेयस अय्यर ही होंगे दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान

दिल्ली कैपिटल्स टीम के सीईओ विनोद बिष्ट ने कंफर्म किया है कि आईपीएल 2021 में श्रेयस अय्यर की टीम के कप्तान होंगे। उन्होंने बताया कि स्टीव स्मिथ मेंटोर की भूमिका निभाएंगे। यूएई में खेले गए आईपीएल 2020 में अय्यर की कप्तानी में दिल्ली का प्रदर्शन काफी शानदार रहा था और टीम पहली बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। हालांकि, फाइनल में टीम को मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के लिए हुए ऑक्शन में दिल्ली ने स्टीव स्मिथ को 2.2

करोड़ में खरीदा था।
'टाइम्स ऑफ इंडिया' के साथ बातचीत करते हुए दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ विनोद बिष्ट ने कहा, 'हम श्रेयस को बेक किया था जब हमने उनको कप्तान के तौर पर प्रमोट किया था। उनकी अगुवाई में टीम 2019 में तीसरे नंबर पर रही और साल 2020 में फाइनल में पहुंची। वह एक लीडर के तौर पर आगे बढ़ रहे हैं। मुझे भरोसा है कि उनकी लीडरशिप में टीम का प्रदर्शन आगे भी अच्छा रहेगा।

आकाश चोपड़ा ने बताया, भारत और इंग्लैंड में से किसके नाम होगी टी20 सीरीज

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंतिम और निर्णायक मैच 20 मार्च (शनिवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पांच मैचों की सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है और इस मुकाबले में जीत दर्ज करने वाली टीम सीरीज को भी अपने नाम करेगी। इसी बीच, आकाश चोपड़ा का मानना है कि पांचवें टी20 मैच में भारत का पलड़ा भारी है और टीम टी20 सीरीज को अपने नाम करने में सफल रहेगी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने हालांकि भारतीय टीम को पांच की बजाए

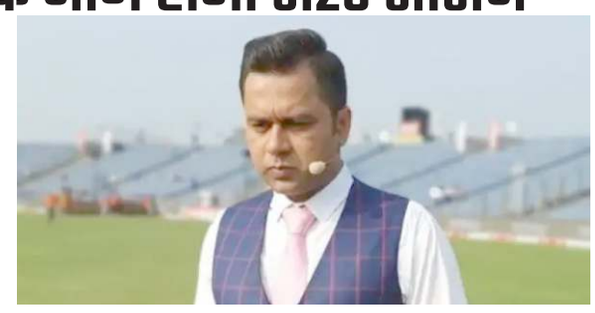

छह गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरने की सलाह दी। आकाश ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि पांचवें टी20 मैच में टीम इंडिया इंग्लैंड के मुकाबले ज्यादा मजबूत दिखाई दे रही है और सीरीज को जीतने की बड़ी दावेदार है। उन्होने इसके पीछा का कारण बताते हुए कहा कि रोहित शर्मा लगातार दो मैच में फ्लॉप हो चुके हैं और ऐसे में वह इस मैच में धमाकेदार पारी खेल सकते हैं। आकाश ने कहा कि विराट कोहली की फॉर्म और सूर्यकुमार के आने से टीम की बैटिंग भी काफी मजबूत नजर आ रही है।

लक्ष्मण ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के होते हुए भी सूर्यकुमार यादव को क्यों बताया मैच विनिंग प्लेयर

सूर्यकुमार यादव ने पिछले कुछ सालों में मुंबई के लिए घरेलू सीजन और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पिछले साल के आईपीएल में सूर्यकुमार ने मुंबई इंडियंस के लिए 16 मैचों में 40 की औसत से 480 रन बनाए। इसी के साथ ही 30 साल के सूर्यकुमार ने टी20 वर्ल्डकप की संभावित टीम में अपना दावा मजबूती के साथ पेश किया है। गुरुवार को उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ अपने दूसरे इंटरनेशनल मैच में बैटिंग का

मौका मिला और उन्होंने 31 गेंद में 57 रन की शानदार पारी खेली। इसकी बदौलत टीम इंडिया ने 185 रन का स्कोर बनाया और 8 रन से मैच जीता।

देश परदेश

जापान की राजधानी में भूकंप के जोरदार झटके, 7.2 की तीव्रता से हिली टोक्यो की धरती

जापान की राजधानी टोक्यो में जोरदार भूकंप के झटके महसूस किए गए है। इसकी तीव्रता यूएसजीएस के अनुसार 7.2 मापी गई है। टोक्यो में शाम छह बजकर 10 मिनट से ठीक पहले भूकंप आया। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जापान के इशिनोमाकी के 34 किलोमीटर पूर्व में और 60 किलोमीटर गहराई में था। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने भूकंप के तुरंत बाद मियागी प्रान्त के लिए सूनामी की चेतावना जारी की है। हालांकि 90 मिनट के बाद चेतावनी वापस ले ली गई। जापान के NHK टीवी ने कहा है कि सुनामी पहले से ही मियागी तट के कुछ हिस्सों में पहुंच गई होगी। एनएचके ने कहा कि मजबूत टेम्पलर ने कुछ क्षेत्रों में अस्थायी ब्लैकआउट किया और बुलेट ट्रेन सेवाओं को निलंबित कर दिया।न्यूक्लियर रेगुलेशन अथॉरिटी ने कहा कि फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र सहित क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में कोई असामान्यता नहीं पाई गई है। मियागी प्रान्त में टोम शहर के एक अधिकारी अकीरा वेकिमोतो ने कहा कि भूकंप आने पर वह अपने अपार्टमेंट में थे, और अपने कमरे को लंबे समय तक हिलाते हुए महसूस किया।
वहीं, एक होटल के कर्मचारी, शोटारो सुजुकी ने कहा कि एक अस्थायी ब्लैकआउट था और लिफ्ट थोड़ी देर के लिए बंद हो गई थी, लेकिन फिर बिजली बहाल हो गई है। फिलहाल कोई अन्य समस्या नहीं है। उन्होंने कहा, "हमारे मेहमान पहली बार में चिंतित लग रहे थे, लेकिन वे सभी अपने कमरे में लौट आए हैं।"

खुल गई ड्रैगन की पोल, कोरोना को छुपाने के लिए चीन ने जानबूझकर हेल्थ वर्कर्स को मरने दिया

कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर अब तक कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है, मगर दुनिया को चीन के ऊपर शक शुरू से है। एक नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि चीन ने कोरोना को छुपाने के लिए अपने हेल्थ वर्कर्स को जानबूझकर मरने के लिए छोड़ दिया। फॉरेन पॉलिसी में एनी स्पॉरो ने लिखा है कि चीनी अधिकारियों ने जानबूझकर अपने झूठ को कायम रखने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की बलि दी।
फॉरेन पॉलिसी के लिए एनी स्पैरो लिखती हैं कि डॉक्टरों को चुप कराने के चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के प्रयासों ने न केवल महामारी को हवा दी बल्कि इस खतरनाक महामारी को पहचाने के लिए दुनिया को भी गुमराह किया। हालांकि, ड्रैगन के इस कवर-अप (कोरोना को छिपाने) का कारण स्पष्ट नहीं है, मगर यह अनुमान लगाया जाता है कि चीन नहीं चाहता था कि उसके कुछ राजनीतिक बैठक रद्द हो जाएं और पब्लिक पैनिक हो जाए, इस कारण से कोरोना के मामलों को काफी हद तक दबाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी अधिकारियों ने कोरोना महामारी के प्रकोप के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सूचित करने के बजाय, सूचनाओं को सेंसर किया, मामलों को दबाया-छिपाया और उन डॉक्टरों को चुप कराया, जो अपने साथियों को इस वायरस के बारे में आगाह करना चाहते थे। इतना ही नहीं, महामारी पर नियंत्रण के लिए अस्पताल के अधिकारियों ने मास्क और पीपीई किट को भी अनिवार्य करने से इनकार कर दिया। फॉरेन पॉलिसी के मुताबिक, कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बावजूद अस्पताल के अधिकारियों ने यह मानने से इनकार कर दिया कि मनुष्यों में वायरस का प्रसार संभव था या फिर उनके स्टाफ भी कोरोना से संक्रमित थे। इन झूठों ने अंततः डब्ल्यूएचओ के उन फैसले को प्रभावित किया, जिसकी वजह से डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी की घोषणा नहीं की जैसा कि उसने इबोला, जीका वायरस और एच1 एन1 के समय तत्परता से किया था। एनी स्पैरो ने लिखा है कि कोरोना वयारस के ट्रांसमिशन

की गुत्थी देरी से समझने की वजह से चीन में काफी संख्या में हेल्थ वर्कर्स की जान चली गई। हजारों लोग चीन में मरे और फिर बाद में यह महामारी पूरी दुनिया में फैल गई। 27 दिसंबर 2019 तक वुहान के अधिकारियों को पता चल गया था कि वायरस का खतरा गंभीर है, क्योंकि बाजार में कई रोगियों की पहचान की गई थी और कम से कम एक हेल्थ वर्कर संक्रमित था। हालांकि, डॉक्टरों ने इस खतरे को समझा और दूसरों को चेतावनी देने की कोशिश की, लेकिन चीनी अधिकारियों ने ऐसा करने से पहले उन्हें रोक दिया। कोरोना के पैटर्न को समझने की बजाय चीनी अधिकारी डॉक्टरों को धमकाने में लगे थे और सूचनाओं को फैलने से रोकने में लगे हुए थे।

सऊदी के लोग अब पाकिस्तानी लड़कियों से नहीं कर सकते शादी, जानें वजह

सऊदी अरब के पुरुष अब पाकिस्तान, बांग्लादेश, चाड और म्यांमार की महिलाओं से शादी नहीं कर पाएंगे। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने सऊदी मीडिया के हवाले से एक रिपोर्ट में लिखा। अनौपचारिक आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में इन चार देशों में लगभग 5 लाख महिलाएं हैं।
विदेशियों से शादी करने की इच्छा रखने वाले सऊदी पुरुषों को अब सख्त नियमों का सामना करना पड़ेगा, मक्का के पुलिस महानिदेशक मेजर जनरल असफ

अल-कुरैशी के हवाले से मक्का की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।
डॉन ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य सऊदी पुरुषों को विदेशियों से शादी करने से रोकना है। बता दें कि विदेशियों के साथ शादी की अनुमति जारी करने से पहले अतिरिक्त औपचारिकताएं रखी गई हैं।
कुरैशी ने कहा, "विदेशी महिलाओं से शादी करने की इच्छा रखने वालों को पहले सरकार की सहमति लेनी चाहिए और आधिकारिक चैनलों के जरिए विवाह के आवेदन प्रस्तुत करने चाहिए।"
कुरैशी ने कहा कि तलाकशुदा पुरुषों को तलाक के छह महीने के भीतर आवेदन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिकारी ने कहा कि आवेदकों की उम्र 25 से अधिक होनी चाहिए और स्थानीय जिला महापौर द्वारा हस्ताक्षरित पहचान दस्तावेजों के साथ-साथ अन्य सभी पहचान पत्रों को संलग्न करना चाहिए, जिसमें उनके परिवार के कार्ड की एक प्रति शामिल है।

राशन की डोर स्टेप डिलीवरी पर केंद्र की आपत्ति के बाद केजरीवाल योजना का नाम बदलने को तैयार, बोले- हमें क्रेडिट नहीं चाहिए

दिल्ली में राशन की डोर स्टेप डिलीवरी के लिए लाई गई 'मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना' केंद्र सरकार के ऐतराज के बावजूद आखिर किस तरह शुरू की जा सकती है, इसे लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को बुलाई गई एक समीक्षा बैठक में बेहद अहम निर्णय लिया है। केजरीवाल ने इस योजना के से नाम हटाने की बात कही है। बैठक के बाद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि इस महीने की 25 मार्च से 'मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना' के नाम से दिल्ली में एक बहुत ही क्रांतिकारी

योजना चालू होने जा रही थी। जैसा कि हम सब लोग जानते हैं कि सरकार गरीबों को सस्ता राशन देती है। अभी तक लोगों को दुकानों पर राशन मिलता था। राशन लेने के लिए लोगों की लंबी-लंबी लाइनें लगती हैं। राशन की दुकानें कभी-कभी खुलती हैं। राशन की दुकानों में आने वाले अनाज में मिलावट होती है। दुकानदार कई बार ज्यादा पैसे लेते हैं और उन्हें तरह-तरह की परेशानी होती है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने काफी लोगों से चर्चा करने के बाद कुछ वक्त पहले समाधान निकाला कि जितना गेहूं बनता है उतना ही आटा, जितना चावल बनता है वो उसे बोरी में पैक करके घर पहुंचा दें तो राशन बंटवारे को लेकर जो समस्या है वह हल हो जाएगी। यह सोचकर दिल्ली में 'मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना' शुरू करने का फैसला किया गया। इसे 25 मार्च से शुरू किया जाना था, मगर शुक्रवार को दोपहर में केंद्र सरकार से हमारे पास एक चिट्ठी आई है कि आप ये राशन योजना लागू नहीं कर सकते हैं।

डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे की हिंदी फिल्म " श्री खाटू श्याम सरकार जी " का म्यूज़िकल मुहूर्त

अब तक 16 बायोपिक फिल्मे बनाने वाले डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे अब अपनी 17वीं बायोपिक फ़िल्म बनाने जा रहे हैं जिसका नाम है "श्री खाटू श्याम सरकार जी"। मुम्बई के साउंड ट्रैक डिजिटल रिकॉर्डिंग स्टूडियो में एक भजन की रिकॉर्डिंग के साथ 14 मार्च को इस फ़िल्म का मुहूर्त सम्पन्न हुआ जहां फ़िल्म से जुड़ी पूरी टीम के साथ साथ मीडिया की भी भारी संख्या मौजूद थी। नारियल फोड़कर यहां फ़िल्म का शुभारंभ हुआ। इस म्यूज़िकल मुहूर्त के मुख्य अतिथि फ़िल्म अंकुश के निर्माता सुभाष आर दुर्गकर,कामेडियन एक्टर बिरबर थे। इस फ़िल्म की प्रोड्यूसर सुश्री प्रीति ओम चौकसे और सुभाष सिंह हाड़ा हैं जबकि डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे हैं। फ़िल्म के संगीतकार नस राज घिमिरे, गीतकार सूरज नागर, मुकेश आरके चौकसे हैं। आज गायक दर्शन सिंह हाड़ा की आवाज़ में एक भजन की रिकॉर्डिंग हुई। डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे ने बताया कि इस फ़िल्म के लिए जल्द ही अनूप जलोटा, सुरेश वाडेकर और अनुराधा पौडवाल की आवाज़ों में भी गीत की रिकार्डिंग की जाएगी। इस फ़िल्म की शूटिंग 25 मार्च से इंदौर में शुरू होगी जबकि जून के अंतिम सप्ताह में फ़िल्म रिलीज करने का प्लान है।

डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे ने बताया कि श्री खाटू श्याम सरकार जी को हारे का सहारा कहा जाता है। जो हर जगह से हार जाता है, उसकी कामना यहां से पूरी होती है। जो हार जाता है वे उनके सहारा हैं। इंदौर में कबीरखेड़ी में उनका विशाल मंदिर बनवाया गया है। जब मेरी पर्सनल लाइफ में कई प्रॉब्लम चल रही थी तो मुझे सुभम चौकसे ने बताया कि खाटू जी के मंदिर में मैं इंदौर के उनके मंदिर में गया और जैसे चमत्कार हो गया। मेरा काम शुरू हो गया। एम पी फ़िल्म एंड अवार्ड अकेडमी के बैनर तले बन रही फिल्म के डीओपी नितिन चौकसे हैं। इसमे सुभाष सिंह हाड़ा मुख्य भूमिका कर रहे हैं।

वृंदावन कुंभ मेला में मुंबई में रहनेवाली किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी आकर्षक का केंद्र बनी हुई है

मुंबई / वृंदावन : वृंदावन में चल रहे कुंभ मेला में पहली बार मुंबई में रहनेवाली किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने हिस्सा लिया तथा शाही स्नान किया और वे सभी लोगो के लिए आकर्षक का केंद्र बनी हुई है। वृंदावन कुंभ पूर्व वैष्णव बैठक में किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी भजन-कीर्तन व प्रवचन के साथ- साथ श्रद्धालुओं को दर्शन दे रही है। कुंभ मेला में हजारों साधु-संतों और महामंडलेश्वर ने अपने अपने डेरा लगाया हुआ है। देश विदेश आये श्रद्धालु महामंडलेश्वर का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे है।

यह कुंभ मेला २५ मार्च २०२१ तक चलेगा। मुंबई की सुप्रसिद्ध प्रवचन कर्ता व भागवत कथा वाचक किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी वृंदावन में चल रहे कुंभ के बारे कहती हैं," मेरी शिक्षा दीक्षा सब वृंदावन में हुआ है। यही पर शास्त्रों का अध्यन किया है। बृजवाशियों के साथ यहाँ बहुत अच्छा अनुभूति होती है।

मैंने अपना तन मन धन सब कृष्ण के चरणों में समर्पित कर दिया दिया है। उन्ही की कृपा और आशीर्वाद के कारण मैं आज यहाँ तक पहुंची हूँ। मेरे जीवन को उन्होंने धन्य कर दिया।"

वैसे हिमांगी सखी का जन्म गुजरात के बड़ौदा में हुआ था, उसके बाद वे मुंबई आकर बस गयी क्योकि उसके पिताजी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर थे जोकि राजकपूर के साथ काफी काम किया था।

थोड़ी बहुत पढाई कान्वेंट स्कूल में किया लेकिन पिताजी और माताजी के गुजर जाने के बाद वह छूट गयी, उसके बाद उन्होंने बहन की शादी कराई और जीविका चलाने के लिए उन्होंने फिल्म 'शबनम मौसी,' 'डाउन टाउन' और 'थर्ड मैन' जैसी फिल्मों में काम किया और वी चैनल के शो " एक्स योर एक्स' और आई बी इन ७ चैनल के "जिंदगी लाइफ" शो में भी आ चुकी है।

उसके बाद कृष्ण भगवन की ओर झुकाव बढ़ता गया और सब छोड़कर वृंदावन चली गयी और वही पर गुरु से शिक्षा लेकर सभी शास्त्रों का ज्ञान लिया और अब यहाँ तक पहुंची।वैसे पौराणिक ग्रन्थों, वेदों-पुराणों और साहित्य तक में किन्नर कोअति प्रतिष्ठित व महत्वपूर्ण बताया गया है।

निर्देशक कृष्णा चौहान फ़िल्म निर्माण के अतिरिक्त अवॉर्ड शो व समाजसेवा के लिए हैं चर्चित

4 मई 2021 को अपने बर्थडे के अवसर पर कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का आयोजन करने जा रहे हैं

मुम्बई : बॉलीवुड फ़िल्म निर्देशक कृष्णा चौहान पिछले कई वर्षों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। इन्होंने कई एड फिल्म्स, म्यूजिक वीडियो और शार्ट फिल्मे बनाई हैं और अब हिंदी फ़ीचर फिल्म भी बनाने जा रहे हैं। कृष्णा चौहान का एक फाउंडेशन भी है, जिसका नाम है कृष्णा चौहान फाउंडेशन। जिसके अंतर्गत कृष्णा कई अवार्ड्स शो का भी आयोजन करते हैं। इसके साथ ही कृष्णा की गोरखनाथ मूवीज नामक प्रोडक्शन कंपनी भी है। जिसके अंतर्गत कृष्णा फिल्मों, एड फिल्मों, म्यूजिक वीडियो और शार्ट फिल्मो का निर्माण करते हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड और लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड का आयोजन सन 2019 से किया जा रहा है। इसके अलावा केसीएफ द्वारा समाजसेवा, फ़ूड वितरण और भगवद गीता का वितरण भी किया जाता है। कृष्णा चौहान ने इसी वर्ष फरवरी 2021 में बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड का शानदार आयोजन किया था। इसके बाद कृष्णा चौहान अपने जन्मदिन यानी कि 4 मई को लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2021 का आयोजन भी करेंगे। इसमें सभी उपस्थित मेहमानों का खास ध्यान रखा जाएगा और कोरोना से बचाव के लिए सरकार द्वारा दिये गए सभी नियमों और गाईडलाईन्स का पालन भी किया जाएगा। फेस मास्क, सेनेटाइजर का इस्तेमाल आवश्यक होगा और सोशल डिस्टेंस का ख्याल रखा जाएगा। इस साल के अंत में कृष्णा द्वारा 26 दिसम्बर को बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड का आयोजन भी किया जाएगा। अगले माह अप्रैल में कृष्णा अपनी एक हिंदी फिल्म की घोषणा कर मुहूर्त करने वाले हैं। जिसकी शूटिंग वह अप्रैल और मई महीने में करेंगे। इसके साथ ही कृष्णा चौहान निर्देशित फिल्म 'जीना नहीं तेरे बिना' और हिंदी म्यूजिक एल्बम 'ज़िक्र तेरा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। गौरतलब है कि कृष्णा चौहान द्वारा साल 2020 में कोरोना महामारी के दौरान कई जरूरतमंद लोगों को खाद्य वस्तुएं मुहैया कराई गई थी एवं साल के अंत में बॉलीवुड, मीडिया और सोशल वर्करों को लीजेंड दादासाहेब फाल्के 2020 और बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2020 सम्मानित किया गया था। फरवरी 2021 में बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड का शानदार आयोजन किया और सभी को सम्मानित किया।आपको बता दें कि कृष्णा चौहान गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और पिछले 18 वर्षों से वे मुंबई में रह रहे हैं। अपने स्ट्रगल के दिनों में कृष्णा ने सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया है। आज कृष्णा इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं है। आज के समय में कृष्णा से हर बड़ा बैनर परिचित है। चौहान को अपनी शार्ट फ़िल्म के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड भी मिल चुका है।कृष्णा चौहान फिल्मों, एड फिल्मों, म्यूजिक वीडियो और शार्ट फिल्मो का निर्माण करते आए हैं और आगे भी करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि कृष्णा चौहान बेसिकली एक फ़िल्म निर्देशक हैं और सोशल वर्कर भी हैं। सोशल एक्टिविस्ट के रूप में लोगों और समाज की सेवा करना कृष्णा चौहान को अच्छा लगता है।

लोगों को मान सम्मान देकर उन्हें जो खुशी प्राप्त होती है वो कहीं नही मिलती। गौरतलब है कि 4 मई 2021 को अपने बर्थडे के अवसर पर कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का आयोजन करने जा रहे हैं, उसी दिन वह अपनी हिंदी फिल्म का एलान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके करेंगे।

तनुश्री दत्ता ने खोला राज

फिल्म 'आशिक बनाया आपने' से बॉलीवुड में अपना कदम रखने वाली हॉट अदाकारा तनुश्री दत्ता बीते दिन (19 मार्च) अपना 37वां जन्मदिन मनाया है। तनुश्री दत्ता का जन्म 19 मार्च 1984 को जमशेदपुर में हुआ था। तनुश्री दत्ता पिछले काफी समय से फिल्मी दुनिया से दूर हैं लेकिन इन दिनों वह गजब के ट्रांसफोर्मेशन को लेकर काफी चर्चा में हैं। इन्हीं सब के बीच तनुश्री दत्ता ने एक इंटरव्यू में अपनी लाइफ स्ट्रगल को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है, जिस पर यकीन करना लोगों को ले काफी मुश्किल हो रहा है। अपने बयान में एक्ट्रेस ने ये खुलासा किया है कि उन्होंने अपने लाइफ में कई बार मौत के बेहद करीब होने का अनुभव किया है। तनुश्री ने अपने बयान में ये भी कहा कहा कि मौत को बेहद करीब से जानने के बाद से अब वह रिस्क लेने वाला इंसान बन गई हैं । इसलिए वह अपनी जिंदगी अब खुलकर जीती हैं। अपने जन्मदिन के खास मौके पर एक इंटरव्यू के दौरान तनुश्री दत्ता ने अपने लाइफ स्ट्रगल को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने अपने बचपन से लेकर,अपने बॉलीवुड करियर और बॉडी ट्रांसफोर्मेशन से जुड़े सभी सवालों को जवाब बहुत ही बिंदास अंदाज में दिया है।

एक सवाल का जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वह एक प्रीमच्योर बेबी थी, वह 7वें महीने में ही पैदा हो गई थी। इतना ही नहीं पैदा होन की कुछ ही दिन बाद वह जॉन्डिस का शिकार हो गई थी। उस समय उनकी हालत इतनी खराब थी कि डॉक्टर्स भी हार मान गये थे।

वह आगे कहती हैं कि डॉक्टर्स ने मेरे पैरंट्स यहां तक कह दिया था कि आप लोग अंतिम संस्कार की तैयारी कीजिए क्योंकि इसे गंभीर बीमारी है। लेकिन भाग्य में कुछ और लिखा था, मैं बच गई और धीरे-धीरे जॉन्डिंस को मात देकर मैं फिर स्वस्थ हो गई थी।'

इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने एक और राज से पर्दा उठाते हुए कहा कि एक समय पर मैं मुंबई की लोकल ट्रेन में सफर किया करती थी। तभी एक घटना उनके साथ घटी थी। तनुश्री ने बताया कि एक बार एक लोकल ट्रेन के नीचे आने से बच गई थीं। वह कहती हैं कि एक दिन वह अपनी किसी सहेली के संग पैदल ट्रैक को पार कर रही थीं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम मोहिना कुमारी सिंह नहीं करना चाहतीं टीवी पर वापसी

टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम मोहिना कुमारी सिंह खुद को टीवी की दुनिया से दूर ही रखना चाहती हैं। शादी के बाद उनका टीवी इंडस्ट्री से नाता टूट चुका है। हाल ही में वह दोस्त की शादी अटेंड करने के लिए जयपुर पहुंचीं। साल 2019 में मोहिना ने टीवी इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया था। इस समय वह मार्शल आर्ट्स सीख रही हैं और उसे ही कुछ समय के लिए जारी रखना चाहती हैं।

टाइम्स ऑफ इंडिया संग बातचीत में मोहिना ने कहा, "मैं इस बात में विश्वास रखती हूं कि कभी किसी चीज के लिए मना नहीं करना चाहिए। मैं नहीं जानती कि मैं कभी टीवी की दुनिया में वापसी कर पाऊंगी या नहीं। इसका मतलब यह नहीं कि मैं स्क्रीन पर वापसी करूंगी ही नहीं। अभी के लिए मैं केवल इतना कह सकती हूं कि मैं अपने जगह पर खुश हूं और जिंदगी को एंजॉय कर रही हूं।"

मोहिना ने आगे कहा कि बतौर एक्ट्रेस मैंने बहुत कुछ सीखा। मेरे लिए टीवी एक अच्छा एक्सपीरियंस रहा। मैंने एक्टिंग सीखने के अलावा जिंदगी को समझा, रिलेशनशिप और लोगों को भी। मुझे याद आती है अपने उस पुराने रुटीन की। अजीबो-गरीब समय में हम उठकर शूटिंग करते थे, को-स्टार्स से मिलने का अहसास, लेकिन ठीक है कोई बात नहीं। तकनीक ने कई चीजें आसान कर दी हैं। मैं अगर सबसे दूर हूं तो मैं उन्हें फोन करके बात कर सकती हूं, उनके साथ वीडियो चैट कर सकती हूं। दोस्तों के साथ बने रहना बहुत आसान हो गया है। मुझे लेकिन उनसे मिलना पसंद है। मैं जल्द ही अपने टीवी इंडस्ट्री के दोस्तों से मिलने मुंबई जाऊंगी।

'ए थर्सडे' में पुलिस की भूमिका में दिखेंगी नेहा धूपिया, पहला लुक आया सामने

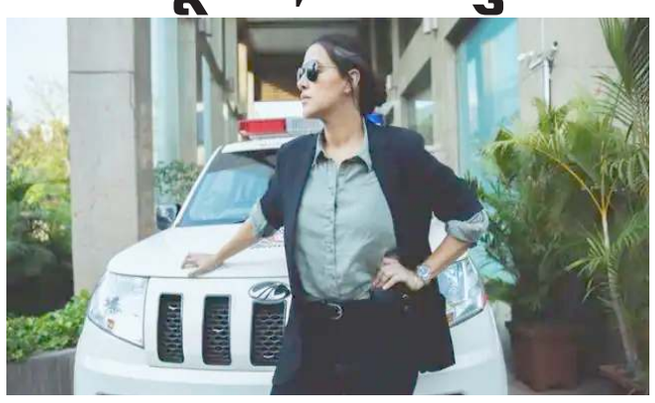

आरएसवीपी मूवीज ने ब्लू मंकी फिल्म्स के साथ अपनी आगामी डायरेक्ट-टू-डिजिटल थ्रिलर 'ए थर्सडे' से नेहा धूपिया का लुक रिलीज़ कर दिया है। बेहज़ाद खंबाटा द्वारा निर्देशित और लिखित, यह फिल्म गुरुवार को होने वाली अकल्पनीय घटनाओं पर आधारित है। आरएसवीपी मूवीज़ ने अपने सोशल मीडिया पर नेहा का लुक साझा करते हुए लिखा,'शहर में एक नई कॉप आई है, एसीपी अल्वारेज़ के किरदार में नेहा धूपिया।'

इस फ़िल्म में नेहा धूपिया एसीपी अल्वारेज़ नामक एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। बात नेहा के लुक की करें तो पैंट, शर्ट और ब्लेज़र में अपने किरदार के लिए एकदम परफ़ेक्ट दिख रही हैं, नेहा ने अपने किरदार को रोल की हुई स्लीव्स, एविएटर्स और ऊपर बंधे बालो के साथ अपना लुक पूरा किया है।

बता दें कि फिल्म में पहली बार यामी गौतम को एक ग्रे किरदार में दिखाया जाएगा। फिल्म में एक बुद्धिमान प्ले स्कूल टीचर, नैना जायसवाल की कहानी दिखाई गई है, जो यामी गौतम द्वारा अभिनीत है और वह 16 बच्चों को बंधक बना लेती है।

इस फिल्म में नेहा धूपिया, और यामी गौतम के साथ ही डिंपल कपाड़िया, अतुल कुलकर्णी, माया सराओ जैसे कई सितारे नजर आएंगे।

गौरतलब है कि आरएसवीपी और ब्लू मंकी फिल्म्स द्वारा निर्मित ए थर्सडे, 2021 में डिजिटल रूप से रिलीज होगी जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू की गई है।

इस अभिनेता ने अक्षय कुमार के खिलाफ किया ट्वीट, लिखा- 'उनके पास अगले दो-तीन साल ही बाकी हैं...'

बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' यानी अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों को लेकर खूब चर्चा में बने हुए हैं। इस साल भी अक्षय कुमार की बैक टू बैक कई फिल्में रिलीज होंगी। वहीं अक्षय नई फिल्मों का भी ऐलान करते जा रहे हैं। ऐसे में कथित क्रिटिक और अभिनेता कमाल राशिद खान (केआरके) ने खिलाड़ी के खिलाफ कुछ ट्वीट किए हैं।

क्या है केआरके का ट्वीट

केआरके ने सुबह सुबह एक ट्वीट में लिखा, 'अक्षय कुमार की फिल्मों को खरीदने के लिए कोई क्रेता मौजूद नहीं है। उनकी सूर्यवंशी और बेल बॉटम जैसी फिल्में रिलीज ही नहीं हो पा रही हैं। लेकिन वो हर महीने एक फिल्म का ऐलान कर रहे और 24*7 शूट कर रहे। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके पास रुपये कमाने के लिए सिर्फ अगले दो-तीन साल ही बाकी हैं। क्रेजी प्रोड्यूसर्स उन्हें करीब 125 करोड़ रुपये दे रहे हैं।'

अक्षय कुमार की फिल्में

बता दें कि अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी 30 अप्रैल को रिलीज होगी। रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म में अजय देवगन और रणवीर सिंह का भी कैमियो होगा। वहीं इसके अलावा अक्षय के अपकमिंग फिल्मों के खाते में राम सेतु, बेलबॉटम, रक्षाबंधन और बच्चन पांडे भी शुमार है।

केआरके और विवाद

बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब किसी सितारे के खिलाफ केआरके ने ऐसा ट्वीट किया है। हाल ही में केआरके ने कंगना रनौत को लेकर भी कई विवादित पोस्ट किए थे।

इससे पहले भी केआरके कई सितारों के बारे में ऐसे ही ट्वीट कर चुके हैं। वहीं एक ओर जहां उनके कई फैन्स उनके ट्वीट्स को पसंद करते हैं तो वहीं केआरके को ट्रोल करने वालों की संख्या भी कम नहीं है।

'शक्ति: अस्तित्व के अहसास की' के सेट पर की रुबीना दिलैक ने वापसी, फैन्स बोले- सौम्या इज बैक

टीवी शो 'शक्तिः अस्तित्व के अहसास की' में रुबीना दिलैक ने एक किन्नर बहू का किरदार निभाया है। उनका कहना है कि एक ट्रांसजेंडर का किरदार निभाना उनके लिए गर्व की बात है। अपने रोल 'सौम्या' से उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। अब रिएलिटी शो 'बिग बॉस 14' की विजेता बनने के बाद रुबीना ने शो के सेट पर वापसी की है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप देख सकते हैं कि सौम्या की शो में वापसी हो रही है।

रुबीना दिलैक ने तैयार होते हुए का खुद का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह लाल साड़ी और बिंदी में नजर आ रही हैं। साथ ही उन्होंने काफी हैवी जूलरी पहनी हुई है। वीडियो शेयर करते हुए रुबीना ने लिखा, "मैं आ रही हूं, मिलेंगे न आप मुझसे?"

मालूम हो कि बिग बॉस की ट्रॉफी जीतने के बाद रुबीना दिलैक की फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। ऐसे में मेकर्स ने इनके किरदार की शो में वापसी को लेकर कुछ चीजें तय कीं। इसके साथ ही एक प्रोमो वीडियो भी शेयर किया जो अब वायरल हो रहा है। फैन्स रुबीना को इस शो में देखने के लिए बेसब्र हो रहे हैं।

संस्थागत अनुसंधान विकास और परामर्श प्रकोष्ठों शुरू करना समय की आवश्यकता है

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

सरकार द्वारा हाल ही में जारी की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 रिपोर्ट में एनईपी राष्ट्रीय अनुसंधान कोष (एनआरएफ) के नेतृत्व में एक शोध पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है। इसका उद्देश्य सरकार, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग को शामिल करते हुए एक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से अनुसंधान और विकास एजेंडा को विकसित करने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करना है।

एनईपी के अनुसार, "NRF, वित्त पोषण, समन्वय और अनुसंधान और नवाचार पहल की निगरानी करने के लिए काम करेगा।" यह उत्कृष्ट परियोजनाओं के लिए पुरस्कार के साथ-साथ अनुसंधान परियोजनाओं के योग्यता-आधारित सहकर्मी मूल्यांकन के माध्यम से अनुसंधान को प्रोत्साहित करेगा।

नई शिक्षा नीति अनुसंधान विकास और परामर्श सेल / स्थापित करने में संस्थानों की भूमिका पर जोर देती है। इन कोशिकाओं की रूपरेखा और कार्य, उद्योग की भागीदारी के माध्यम से, अनुसंधान की संस्कृति के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान विकसित में सहायक होगा।

ऐसी कोशिकाओं का प्रारूप मुख्य दक्षताओं को मजबूत करने और भविष्य की चुनौतियों को उठाने में सक्षम प्रोफेशनल्स के पंथ को विकसित करने के लिए होगा। संस्थागत सेल गुणात्मक कार्य आय सृजन मॉडल प्रदान करने के लिए अपनी क्षमताओं के क्षेत्रों पर काम कर सकते हैं।

N E P द्वारा परिकल्पित अकादमिया और उद्योग के बीच सहयोग से अधिक पेटेंट अनुप्रयोगों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर एक पेटेंट नीति संरचना की मांग की है। इस तरह की नीति में शामिल सभी

संस्थाओं के हितों की रक्षा करना, एक शोध वातावरण प्रदान करना, और राष्ट्रीय कानूनों और नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। वाणिज्यिक लाभों के साथ बड़ी संख्या में पेटेंट अनुसंधान में निरंतर प्रयासों के लिए प्रोत्साहन के रूप में काम करेंगे।

एनईपी शिक्षा में एक बहु-विषयक दृष्टिकोण पर जोर देता है। ये सही शोध प्रश्नों को तैयार करने और आवश्यक और प्रासंगिक परिणामों / समाधानों को लाने के लिए आवश्यक कौशल हैं। इसलिए, यह दृष्टिकोण भारत के लिए दीर्घकालिक और स्थायी अनुसंधान प्रयास में एक और महत्वपूर्ण अग्रदूत के रूप में सेवारत अनुसंधान और नवाचार को एक सार्थक जोर देने में सहायक होगा।

वास्तुकला परिषद ने वास्तुकला विद्यालयों के संकाय सदस्यों द्वारा परामर्श अभ्यास के लिए दिशानिर्देश विकसित किए हैं। यह एक राजस्व पैदा करने वाला मॉडल है। इस मॉडल के अनुसार कंसल्टेंसी सेल अनुसंधान, विकास और कर्मचारी कल्याण कोष में 10% फीस के एक हिस्से का योगदान करेगा: इसके अलावा, कि गतिविधियों के खर्च करने के लिए परामर्श सेल में फीस का एक और 10% रखा जाएगा। शेष 80% फीस का उपयोग व्यय के लिए और संकाय सदस्यों को मानदेय के भुगतान के लिए किया जाएगा। संस्थागत सेल गुणात्मक कार्य आय सृजन मॉडल प्रदान करने के लिए अपनी क्षमताओं के क्षेत्रों पर काम कर सकते हैं।

संस्थान व्यावसायिक कार्यों की दिशा में पहल करने के लिए उपलब्ध मानव संसाधनों और अवसंरचनात्मक सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। ये पहल संसाधनों के इष्टतम उपयोग में मदद, रोजगार के अवसर और राष्ट्र निर्माण में योगदान कर सकती हैं। अधिक जानकारी के लिए आप वास्तुकला की परिषद की वेबसाइट (coa.gov.in/), या (tsapmumbai.in/) पर जा सकते है.

सभी श्रोता जिस के फ्लावर्स कोई फोलोअर नहीं सत्य- प्रेम- करुणा के ऊद्गाता संत मोरारी बापू

वृंदावन की पतित पावनी धरा पर गुजरात के विश्व प्रसिद्ध संत पूज्य मोरारी बापू की रामकथा २० मार्च से शुरू हो रही है। आप के व्यासासन की वृंदावन में हो रही नवमी रामकथा है। नव पूर्णांक है और भगवान कृष्ण भी पूर्ण पुरुषोत्तम है। कथा स्थान "वैजयंती धाम" का पचासवां पाटोत्सव २९ मार्च को है। ऐसे सभी शुभ योग में, राधा-कृष्ण के लीलाधाम में यमुना मैया के संग रामकथा रुपी गंगा मैया का संगम होने जा रहा है। मोरारी बापू संवाद, समन्वय और सेतुबंध में श्रद्धा रखनेवाले संत है। वाद, विवाद, अपवाद या दूर्वाद आप की डीक्शनरीमें नहीं है! आप के पास सर्व का स्वीकार है। किसी का भी तिरस्कार नहीं है। आप सुधारक नहीं, स्वीकारक साधु है। इसलिये आपने दलित, उपेक्षित, वंचित और समाज के आखिरी व्यक्ति के लिए कथा गान किया है। आज – जब हर जगह असहिष्णुता, अन्याय, अभाव और इन सब की वजह से पैदा हुई अमानवीय आक्रामकता और

आतंक से विश्व के इन्सान और इन्सानियत- दोनों आफत में है। ऐसे कठिन काल में जगत के ज्योतिर्धर बनकर सर्वत्र उजास फैलाने वाले - सत्य-वक्ता, सत्य-प्रिय, एवं सत्य-निष्ठ साधु की आज के विश्व को अत्यधिक आवश्यकता है।

ऐसे साधु पुरुष है - गुजरात के एक छोटे से गांव तालगाजरडा के- संत मोरारी बापू! साधु मतलब सादगी, सौम्यता और संवेदनशीलता! ऐसे सभी सद्गुणों का समन्वय अगर आज की दुनिया में किसी एक व्यक्ति में है, तो वह है मुरारी बापू! विश्व के लिए इंसानियत के मसीहा के रूप में बापू हमारे साथ हैं, हमारे पास है। मोरारी बापू के विचार में सत्य है, उच्चार में सत्य है और आचार में सत्य है। शब्द को ब्रह्म स्वरूप समझते बापू, कभी व्यर्थ वाणी विलास नहीं करते। अगर ज्यादा जरूरी न हो तो, ज्यादातर वे मौन ही रहते हैं। बापू का सूत्र हैं - "कम बोलना, सत्य बोलना, और मधुर सत्य बोलना। ऐसा ही सत्य बोलना, जिसका स्वयं आचरण करते हो। और ऐसा सत्य सदा ही हमें निर्भयता प्रदान करता है।"

आप जो भी बोलते हैं, पूरी जिम्मेवारी के साथ बोलते हैं। लेकिन फिर भी इसमें कर्तृत्व का भाव कभी नहीं होता। अपने आप को घटना में शामिल करके ही वह बोलते हैं। व्यासपीठ पर से प्रकट होते एकता, समरसता, सामाजिक सद्भाव - जैसे शब्द व्यर्थ शब्द झाल नहीं है! आत्मानुभूति है, सांगोपांग सत्य,प्रेम एवं करुणा के संगम से प्रकट हुई संवेदना है। जो समाज के प्रति, राष्ट्र के प्रति, विश्व के प्रति सृष्टि के प्रति उन का स्नेह और समभाव है। जो भौतिकता के प्रति ढल कर आत्मीयता को भूला देने वाले हम सभी को मानवता के प्रति वापस आने के लिए उजागर करने का उपक्रम रचती है। आप की बानी में वेद की ऋचाएं हैं, पवित्र क़ुर्आन के कलमा है। बाइबिल का आदेश है। ग्रंथ की गुरुबाणी है। रामायण बापू के लिए सत्य है, बाइबिल प्रेम है और कुरान करुणा है। राम सत्य है, जिसस प्रेम है, और मोहम्मद करुणा है।

"सर्व भूत हिताय, सर्व भूत प्रिताय, सर्व भूत सुखाय" - कर्म करने की उनकी अथक एवं निरंतर चलती यात्रा है। जन हित, जीव हित और जग हित के लिए जो भी अपने साथ जुड़ना चाहे, उस के हमसफर बन कर आप विश्व-कल्याणकारी रामकथा का गान करते हुए सभी को साथ चलने का न्योता देते हैं। और ऐसे शीलवंत साधु की पुकार सुनकर जो वृंदावन की गोपी की तरह दौड़ जाते हैं, वही कदाचित् कुछ पा भी लेते हैं। शायद विश्व में यह एक ऐसे अकेले साधु है, जो किसी को-कभी अपना शिष्य नहीं बनाते। आप किसी को अपना फोलोअर नहीं समजते, सब को व्यास वाटिका के फ्लावर्स है। किसी के सामने कभी हाथ नहीं फैलाते। आप को हमसे कुछ नहीं चाहते - ना पैसा ना पद, ना पदवी, ना प्रतिष्ठा! वह कथा गान के बदले में भी कभी किसी से कुछ भी नहीं लेते। वह तो बस प्यार बांटते रहते है। एसे एक वैश्विक साधु पुरुष की व्यासपीठ, भगवान कृष्ण की इस लीला भूमि पर नौ दिन तक हरि नाम संकीर्तन से समग्र सृष्टि को सत्संग से भर देगी।

मनोज जोशी
(पत्रकार) महुवा – गुजरात

बेकाबू कोरोना को रोकने के लिए ऐक्शन, मुंबई में मॉल और चौपाटी जाने वालों का भी रैपिड टेस्ट

मुंबई, कोरोना की बढ़ती रफ्तार पर अंकुश लगाने के लिए बीएमसी ने मुंबई में 27 मॉल, 7 रेलवे स्टेशन, 4 बस डिपो सहित समुद्र तटों एवं खाऊ गली में आने वाले लोगों का रैपिड टेस्ट कराने का फैसला किया है। इस संबंध में बीएमसी ने शनिवार को गाइडलाइन जारी की। बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल ने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए बीएमसी ने यह कड़ा फैसला लिया है। मॉल, रेलवे स्टेशन, बस डिपो, गली, बाजार, पर्यटन स्थल, सरकारी कार्यालयों जैसे भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर नागरिकों की सहमति के बिना एंटिजन टेस्ट किया जाएगा। इस दौरान अगर कोई टेस्ट करवाने से मना करता है, तो उस पर महामारी अधिनियम के तहत मुकदमा दायर किया जा सकता है। मॉल में विजिट करने वाले लोगों को टेस्ट का खर्चा उठाना होगा, जबकि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर होने वाले टेस्ट का खर्च बीएमसी उठाएगी। बस स्टेशनों पर यात्रियों को होगा टेस्ट छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई सेंट्रल, दादर, बांद्रा टर्मिनस, अंधेरी, बोरीवली व कुर्ला टर्मिनस पर दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, गोवा व विदर्भ रीजन से आने वाली गाड़ियों के यात्रियों का और मुंबई सेंट्रल, परेल, बोरीवली व कुर्ला में राज्य परिवहन के बस डिपो पर आने वाले यात्रियों का टेस्ट होगा। सबसे ज्यादा कोरोना मरीज महाराष्ट्र में देश में कोरोना के केस लगातार 10वें दिन बढ़े। इन 10 दिनों में ही नए केस दोगुने से ज्यादा आने लगे। एक लाख से ज्यादा मामले तो तीन दिन में आ गए। कोरोना की यह रफ्तार डराने लगी है। शनिवार को करीब 41 हजार केस आए। यह 111 दिन में सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले 28 नवंबर को 41,815 मरीज मिले थे। नए मरीजों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी महाराष्ट्र की है। अस्पतालों में बेड किए गए रिजर्व ठाणे शहर में कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी जारी है। मनपा द्वारा संक्रमण को रोकने की दिशा में जोर दिया जा रहा है। नागरिकों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए मनपा की सभी संबंधित मशीनरी सक्रिय हो गई हैं। आयुक्त डॉ. विपिन शर्मा के अनुसार शहर में कुल 4 हजार 221 कोविड बेड उपलब्ध किया गया है। शनिवार को आयुक्त और महापौर नरेश महस्के की उपस्थिति में अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें शहर के अस्पतालों में अधिक बेड को उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी गई। किन अस्पतालों में कितने बेड पिछले 17 दिनों में करीब 5 हजार नए मरीज सामने आए हैं, जिसके चलते मनपा प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। बढ़ते मरीजों को देखते हुए राहत की बात यह है कि शहर के अस्पतालों में अभी पर्याप्त जगह है। माजीवाडा स्थित मनपा के ग्लोबल हब कोविड अस्पताल में 1075, ज्यूपिटर हॉस्पिटल के करीब स्थित मनपा के पार्किंग प्लाजा में 1181,

लोढा भाईंदरपाडा स्थित मनपा सेंटर में 760 बेड्स की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा 15 निजी अस्पतालों में कुल 1205 बेड्स आरक्षित किए गए हैं। ठाणे में कोरोना केसेस मनपा के डैशबोर्ड के मुताबिक इन अस्पतालों में आधे से अधिक बेड रिक्त हैं और इनमें आईसीयू बेड भी पर्याप्त हैं। ऐसे में, शहर के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। मनपा क्षेत्र में शुक्रवार को 518 मरीज मिले। मरीजों की कुल संख्या 67 हजार 966 हुई है। इनमें 62 हजार 459 ठीक हुए हैं। अब तक 1361 लोगों की मौत हुई है। शहर में 3628 ऐक्टिव मरीज हैं। मरीजों का रिकवरी रेट 92 फीसद है, जबकि यहां मृत्यु दर 2 फीसद है।

कोरोना को काबू में करने की तैयारी 27 मॉल रोज 10,800 टेस्ट करेंगे

स्प्रेडर समूह की फिर होगी कोरोना जांच सब्जी वाले, दूध वाले, फ्रूट विक्रेता, मछली विक्रेता आदि शामिलदादर, सोमैया, बोरीवली, कांदिवली, कुर्ला व चेकनाके की सब्जी मंडियों में भारी भीड़

2,982 नए कोरोना मरीज मुंबई में मिले 27,126 नए मरीज राज्य में मिले देश में 3 दिन में लाख से ज्यादा केस

डेटिंग ऐप पर दोस्ती फिर उड़ा ले गया महिला के गहने

मुंबई, घाटकोपर पुलिस ने ३४ वर्षीय एक व्यक्ति को एक महिला के घर से गहने चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम सौरभ ठाकुर है। आरोप है कि सौरभ ने एक डेटिंग ऐप के जरिए ३२ वर्षीय महिला से दोस्ती कर उसके घर गया और करीब १७ लाख रुपए के गहने चुरा लिए। आरोपी सौरभ ने खुद को आईबी (इंटेलिजेंस ब्यूरो) अधिकारी बताया था। दरअसल ३२ वर्षीय महिला ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि वह

डेटिंग ऐप के जरिए सौरभ ठाकुर नामक व्यक्ति से मिली थी, जिसने खुद को आईबी अधिकारी बताया था। इसके बाद दोनों की गहरी दोस्ती हो गई थी। दोनों कई बार मिले भी हैं। एक दिन आरोपी सौरभ महिला से मिलने के लिए उसके घर पहुंचा। इसके बाद महिला का आरोप है कि उसने घर से करीब साढ़े १७ लाख रुपए के गहने चोरी कर फरार हो गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी सौरभ को गिरफ्तार करने के लिए महिला का सहयोग लिया। महिला ने मंगलवार को उसे घाटकोपर में मिलने के लिए बुलाया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को शक है कि उसने कई अन्य महिलाओं के साथ भी धोखाधड़ी को अंजाम दिया होगा। वहीं आरोपी सौरभ के परिजन का कहना है कि उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं है, जिसके लिए उसका इलाज जारी है।

माथेरान में होगी हाई स्पीड इंटरनेट सेवा! मध्य रेलवे बिछाएगी ऑप्टिकल फाइबर केबल

मुंबई, मुंबई से सटे हिल स्टेशन माथेरान में पहली बार इंटरनेट की सेवा उपलब्ध होगी। हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा मध्य रेलवे द्वारा माथेरान तक लाई जा रही है। मध्य रेलवे द्वारा नेरल-माथेरान के २१ किमी कॉरिडोर तक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाया जाएगा।

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के अनुसार, `नेरल से जुम्मा पट्टी तक ऑप्टिकल फाइबर बिछाने का काम पूरा हो चुका है। इस सेक्शन में इंटरनेट की सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। कुछ ही महीनों में माथेरान में भी पहली बार हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा शुरू हो जाएगी।' इस प्रोजेक्ट के पहले फेज की कीमत ४ करोड़ के करीब है। मोबाइल नेट का कमजोर नेटवर्क ऑप्टिकल फाइबर से नेटवर्क की स्पीड और कनेक्टिविटी बढ़िया होती है। इस नए प्रोजेक्ट से पूरे सेक्शन में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध होगी। २१ किमी के इस रूट में टॉय ट्रेन परिचालन के दौरान कई बार छोटी-मोटी घटनाएं होती हैं। ऐसी स्थिति में त्वरित संपर्क करने के लिए नेटवर्क की जरूरत रहती है। इस प्रोजेक्ट के बाद रेलवे की नेटवर्क वाली परेशानी दूर होगी। रेलटेल देगी सुविधा हाल ही में रेलटेल ने देशभर के रेलवे स्टेशनों पर प्रीपेड हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई है। माथेरान से नेरल सेक्शन में भी रेलटेल द्वारा सुविधा दी जाएगी।

स्थानीय लोगों को होगा लाभ

ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने के बाद लोकल निवासियों और व्यवसायियों को सेवा लेने के लिए संपर्क किया जाएगा। माथेरान निवासी संतोष जाधव ने बताया कि पिछले एक साल से लोग वर्क प्रॉम होम कर रहे हैं। यहां पर बीएसएनएल की नेटवर्क सुविधा बड़ी कमजोर है। ऐसे में बाहरी दुनिया से जुड़ने के लिए रेलवे की हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा बहुत काम की होगी।

फटी जींस पर बिफरा बॉलीवुड! उत्तराखंड के सीएम तीरथ सिंह रावत को दिखाया आईना

मुंबई, उत्तराखंड के सीएम तीरथ सिंह रावत के फटी जींस वाले बयान पर बॉलीवुड बिफर गया है। उसने तीरथ सिंह को आईना दिखाया है। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा से लेकर अभिनेत्री व सांसद जया बच्चन, अभिनेत्री गुल पनाग व टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने तीरथ सिंह के बयान पर गुस्सा जाहिर किया है। तीरथ के बयान पर नव्या नवेली ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर तीरथ सिंह को अपनी मानसिकता बदलने को कहा है। वहीं गुल पनाग ने फटी जींस में अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। महुआ मोइत्रा ने भी तीरथ सिंह को करारा जवाब दिया है। नव्या ने पोस्ट में लिखा, 'हमारे कपड़ों को बदलने से पहले आपको अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है। क्योंकि, यहां केवल चौंकानेवाली बात यह है कि इस तरह के संदेश समाज को भेजे जाते हैं।'

KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।